राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 12 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-233 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

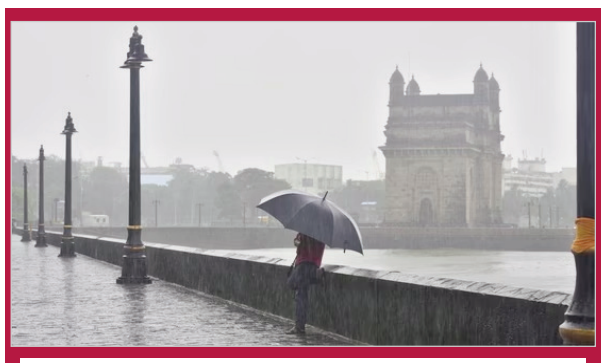

अगले दो से तीन दिनों के दौरान महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश

बिहार में बारिश का अनुमान

नई दिल्ली अगले दो से तीन दिनों के दौरान महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार के बचे हुए भागों, संपूर्ण झारखंड, छत्तीसगढ़ और बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और तेलंगाना के कुछ हिस्सों से दक्षिण पश्चिम मॉनसून के वापस लौटने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। वहीं, अगले पांच दिनों तक दक्षिण भारत के हिस्सों में मूसलाधार भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार,12-17 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, 12 से 15 के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, 12 से 14 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम व रायलसीमा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ जगहों पर भारी बारिश और 12 अक्टूबर को उत्तरी तमिलनाडु व केरल में बहुत भारी बारिश होने वाली है। इसके अलावा, 12 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम व रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। पूर्व और मध्य भारत में 12 अक्टूबर को ओडिशा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 12-13 अक्टूबर को ओडिशा में बिजली व तेज हवा के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने का अलर्ट जारी किया गया है।

इन 9 भारतीयों को मिल चुका नोबेल पुरस्कार

रवींद्रनाथ टैगोर को 1913 में

नई दिल्ली 2025 के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा जारी है, चिकित्सा, भौतिकी और रसायन विज्ञान के पुरस्कारों की घोषणा हो चुकी है। अब 13 अक्टूबर को साहित्य, शांति और अर्थशास्त्र पुरस्कारों का इंतजार कर रहा है, इसलिए अब तक नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीयों पर एक नजर डालते हैं।

भारत के नोबले विजेता

रवींद्रनाथ टैगोर (साहित्य, 1913)-गीतांजलि के लिए सम्मानित, जो भारतीय आध्यात्मिकता और गीतात्मकता को विश्व साहित्य में लाने वाली कविताओं का एक संग्रह है। इसके साथ ही, टैगोर पहले एशियाई नोबेल पुरस्कार विजेता बने थे। सी.वी. रमन (भौतिकी, 1930) - रमन प्रभाव की खोज के लिए उन्हें सम्मानित किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है, तब उसकी तरंगदैर्ध्य कैसे बदलती है। हर गोबिंद खुराना (शरीरक्रिया विज्ञान या चिकित्सा, 1968)- डीएनए में आनुवंशिक जानकारी प्रोटीन संश्लेषण को कैसे नियंत्रित करती है, इसकी व्याख्या करने के लिए संयुक्त पुरस्कार दिया गया। उन्होंने दुनिया का पहला सिंथेटिक जीन भी बनाया। मदर टेरेसा (शांति, 1979)- मिशनरीज ऑफ चैरिटी के माध्यम से कोलकाता में गरीबों और बीमारों की देखभाल करने के उनके मानवीय कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर (भौतिकी,1983) - चंद्रशेखर सीमा सहित तारों की संरचना और विकास पर उनके सिद्धांत के लिए सम्मानित किया गया। अमर्त्य सेन (आर्थिक विज्ञान, 1998)- कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके योगदान और गरीबी और विकास को मापने के लिए उनके क्षमता दृष्टिकोण के लिए सम्मानित किया। वेंकटरमन रामकृष्णन (रसायन विज्ञान, 2009)-राइबोसोम की परमाणु संरचना का मानचित्रण करने के लिए पुरस्कार साझा किया गया, जो चिकित्सा विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण खोज है। कैलाश सत्यार्थी (शांति, 2014)-बाल श्रम के खिलाफ दशकों से चल रही लड़ाई और बच्चों की शिक्षा की वकालत के लिए सम्मानित। अभिजीत बनर्जी (आर्थिक विज्ञान, 2019)-वैश्विक गरीबी का अध्ययन करने और उसे कम करने के लिए क्षेत्रीय प्रयोगों के अग्रणी उपयोग के लिए पुरस्कार साझा किया गया।

पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- लोकनायक जेपी की जयंती के मौके पर उनको नमन करता हूं। वे भारत की आत्मा की सबसे निर्भीक आवाजों में से एक थे, जिन्होंने लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित किया। पीएम मोदी इसके साथ ही आज नई दिल्ली स्थित पूसा कैंपस में 'प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस अहम कार्यक्रम में जाने से पहले पीएम मोदी प्राकृतिक खेती, दलहन मिशन, धन-धान्य योजना के अंतर्गत आने वाले किसानों से अलग-अलग संवाद पूसा के खुले क्षेत्र में खेतों के बीच करेंगे। उधर अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी आज दारुल उलूम देवबंद का दौरा करेंगे, जो भारत-अफगानिस्तान के धार्मिक और राजनयिक संबंधों को नई दिशा दे सकता है।

यूएस के सैन्य विस्फोटक निर्माण संयंत्र में धमाका, कई लोगों की मौत और लापता होने की आशंका

वाशिंगटन

अमेरिका के टेनेसी राज्य में स्थित सैन्य विस्फोटक निर्माण संयंत्र में जोरदार धमाका हुआ। ग्रामीण क्षेत्र में लगे इस संयंत्र में हुए धमाके में कई लोगों के मरने और लापता होने की आशंका है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है। स्थानीय अधिकारियों और निवासियों ने बताया कि धमाका इतना शक्तिशाली था कि कई मील दूर तक घर हिल गए और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल को घटनास्थल पर बुलाना पड़ा। हिकमैन काउंटी के एडवांस्ड ईएमटी डेविड स्टीवर्ट ने बताया कि रेस्क्यू टीम अभी तक अंदर नहीं जा सकी, क्योंकि विस्फोट जारी हैं। शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया कि कई लोग मारे गए और कई लापता हैं, जबकि कंपनी ने इस घटना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की।

हिकमैन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह विस्फोट नैशविले से लगभग 97 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में, बक्सनॉर्ट शहर के पास एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स में हुआ। अधिकारियों ने लोगों से क्षेत्र से दूर रहने का अनुरोध किया ताकि राहत और बचाव कार्य सुचारू रूप से किए जा सकें।

घटना के वीडियो सामने आए हैं, जिनमें जलता हुआ मलबा और धुआं उठता दिखाई दे रहा है। नैशविले के स्थानीय टीवी चैनल ने बताया कि विस्फोट के कारण पार्किंग में वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और स्थानीय निवासियों ने अपने घरों को हिलते हुए महसूस किया। कुछ लोगों ने अपने कैमरों में विस्फोट की तेज आवाज कैद की। टेनेसी के कांग्रेसमैन स्कॉट डेसजार्लिस ने सोशल मीडिया पर कहा, कृपया मेरे और एमी के साथ मिलकर एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स के कर्मचारियों, उनके परिवारों और दोस्तों के लिए प्रार्थना करें। साथ ही घटनास्थल पर मौजूद सभी प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए भी प्रार्थना करें।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भता मिशन लॉन्च

ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदल देंगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बीते 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात करीब-करीब दोगुना हो गया है। अनाज उत्पादन 900 लाख मीट्रिक टन बढ़ गया। फल और सब्जियों का उत्पादन 640 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा बढ़ गया है। किसानों के लिए दो नई योजनाओं प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भता मिशन को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदल देंगी।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं पर सरकार करीब 35 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च करेगी।

उन्होंने कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही है। यह बेहद जरूरी है कि बदलते समय के साथ खेती और किसान को सरकार का सहयोग मिलता रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत सुधार किए गए, जिसके परिणामस्वरूप आज दूध उत्पादन में भारत नंबर वन है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। भारत में शहद उत्पादन 2014 की तुलना में दोगुना हो गया है। 25 करोड़ से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को दिए गए हैं। 100 लाख हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई की सुविधा है। पीएम फसल बीमा योजना से करीब 2 लाख करोड़ रुपए क्लेम के रूप में किसानों को दिए हैं। बीते 11 सालों में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पाद संघ

एफपीओ बने। पीएम मोदी ने कहा कि कार्यक्रम में आने से पहले उनकी अनेक किसानों और मछुआरों से बात हुई। उन्हें कृषि क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं के अनुभव सुनने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी अनेक उपलब्धियां हैं जो देश के किसानों ने अनुभव की हैं। हमें विकसित बनने के लिए हर क्षेत्र में लगातार बेहतर करते ही रहना होगा। सुधार करना ही होगा। इसी सोच का प्रमाण पीएम धन-धान्य कृषि योजना है। इस योजना की प्रेरणा आकांक्षी जिला योजना का सफलता बनी है।

पीएम मोदी ने कहा कि जब वंचितों को वरीयता और पिछड़ों को प्राथमिकता मिलती है तो उसके नतीजे भी बहुत अच्छे मिलते हैं। आज आकांक्षी जिलों में माता मृत्यु दर घटी है। बच्चों का स्वास्थ्य और पढ़ाई का स्तर सुधरा है। ये जिले अब कई पैरामीटर्स को लेकर दूसरे जिलों से बेहतर कर रहे हैं।

ग्वालियर में पकड़े गए 8 बांग्लादेशी नागरिक

फर्जी पहचान पर रह रहे थे 12 साल से

हरियाणा पुलिस के इनपुट से खुला राज

ग्वालियर

मध्य प्रदेश पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने शनिवार को ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रुप से रहे रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

ये सभी पिछले 12 साल से रह रहे थे और इनके पास फर्जी आधार कार्ड व अन्य भारतीय पहचान पत्र बरामद हुए हैं। मामले का खुलासा तब हुआ जब हरियाणा पुलिस ने हाल ही में पानीपत से कुछ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था।

पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि उनके कुछ रिश्तेदार ग्वालियर में रह रहे हैं इस जानकारी के बाद हरियाणा पुलिस ने इनपुट एमपी पुलिस को साझा किया।

उसी आधार पर महाराजपुरा पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

12 साल पहले आया था पहला आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद शरीफ, जो मूल रूप से बांग्लादेश के जेस्सोर जिले का निवासी है, करीब 12 साल पहले भारत आया था। यहां आकर उसने पहले खुद को बसाया और धीरे-धीरे अपने रिश्तेदारों व परिचितों को भी बुला लिया।

सभी लोग ग्वालियर के महाराजपुरा क्षेत्र में देवेंद्र कंसाना नामक व्यक्ति के मकान में किराए पर रह रहे थे।

सिद्दी समुदाय के सदस्यों से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मू, बच्चों को पढ़ाने का किया आग्रह

दो दिन की गुजरात यात्रा पर हैं राष्ट्रपति, शेर सफारी का लिया आनंद

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के जूनागढ़ जिले में सिद्दी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की। सिद्दी समुदाय अफ्रीकी मूल का एक जनजातीय समूह है। गिर वन्यजीव अभयारण्य के सासन गांव में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को मुर्मू ने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शिक्षा प्रदान करें और प्रगति हासिल करने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

अपनी गुजरात यात्रा के दूसरे दिन राष्ट्रपति मुर्मू दोपहर बाद सासन-गिर पहुंचीं और गिर राष्ट्रीय उद्यान में शेर सफारी का आनंद लिया, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। बाद में शाम को उन्होंने राष्ट्रीय उद्यान के मुख्यालय सासन-गिर स्थित सिंह सदन में सिद्दी समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। सिद्दी समुदाय एक भारत-अफ्रीकी समूह है जो पूर्वी अफ्रीकियों के वंशज हैं। इन्हें दासों, सैनिकों और नाविकों के रूप में उपमहाद्वीप में लाया गया था और अब उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता मिली है। गुजरात में उनमें से अधिकतर लोग राष्ट्रीय उद्यान के निकटवर्ती गांवों में बसे हुए हैं। देवलिया पार्क

में 'इको-टूरिज्म' गाइड के रूप में काम करने वाली सिद्दी महिला हसीना मकवाना ने राष्ट्रपति मुर्मू को बताया कि वह और उनके पति अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कमा लेते हैं। हसीना ने राष्ट्रपति से कहा कि उन्हें हर महीने 12,000 रुपए मिलते हैं, जिससे खर्च चलता है और दो बच्चे पढ़ भी रहे हैं। उनके पति एक सिद्दी नृत्य समूह के सदस्य हैं जो पर्यटकों का मनोरंजन करता है।

तालिबानी विदेश मंत्री ने किया भारत में महिला पत्रकारों का अपमान

नई दिल्ली

अफगानिस्तान, तालिबान शासन के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी की भारत यात्रा विवादों में घिर गई है। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी महिला पत्रकार को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। तालिबान की इस शर्त के आगे भारतीय विदेश मंत्रालय और मीडिया संस्थानों का झुक जाना गंभीर चिंता का विषय है। सोशल मीडिया पर महिला पत्रकार स्मिता शर्मा और सुहासिनी हैदर ने भारत सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा, यह महिला पत्रकारों का अपमान है। इसके साथ ही भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। स्मिता शर्मा ने कहा, तालिबानी मंत्री को लालकालीन बिछाकर स्वागत दिया जा रहा है। अफगानिस्तान में महिलाएं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

भारत में आकर उन्होंने भारतीय महिलाओं का भी अपमान कर दिया। विपक्षी नेताओं ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा है, क्या महिलाओं के अधिकारों की बात चुनावी नारों तक सीमित रह गई है। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री की चुप्पी साबित करती है, नारी सम्मान के उनके नारे खोखले हैं।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने इसे भारत की महिलाओं का घोर अपमान बताया। उन्होने कहा सरकार ने टैक्सपेयर्स के पैसों से तालिबानी सोच को सम्मान दिया है।

विदेश मंत्रालय ने बयान दिया है,यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगान दूतावास में आयोजित हुई थी। इसलिए इसमें भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। विपक्ष और नागरिक संगठनो का मानना है, भारत की धरती पर आकर महिला पत्रकारों को रोकना तालिबानी मानसिकता को बढ़ावा देना है। इस घटना से भारत की विदेश नीति और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरे सवाल उठने लगे हैं।दी नंबर लाकर प्राची सोनी ने एक लिहाज से पूरे प्रदेश में टॉप किया है। रिजल्ट के बाद प्राची के घर पर लोग बधाई देने आ रहे हैं। उसने बताया कि मुझे यह पता था कि मेरे अच्छे नंबर आएंगे, लेकिन यह नहीं उम्मीद थी कि 100 में से 100 नंबर मिल जाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक देशों के सेनाध्यक्षों का सम्मेलन 14 से भारत में

33 देशों के सेनाध्यक्ष ले रहे भाग, चीन-पाकिस्तान को नहीं किया आमंत्रित

नई दिल्ली

भारत दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक योगदान करने वाले देशों के सेनाध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित कर रहा है। यह सम्मेलन 14 से 16 अक्टूबर को मानेकशॉ सेंटर, दिल्ली में होगा, जिसमें 33 देशों के सेनाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। इनमें ज्यादातर देश ग्लोबल साउथ और यूरोप के होंगे।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बताया है कि ये सभी 33 देशों की भागीदारी की पुष्टि हो चुकी है। भारत के पड़ोसी देशों में बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और भूटान के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल होंगे। इसमें चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है।

भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत की भूमिका एक निष्क्रिय पर्यवेक्षक से सक्रिय स्थिरीकरणकर्ता तक विकसित हुई है।

बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापना के प्रयासों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सदस्य देशों को संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ के लिए एक मंच प्रदान करेगा। बता दें वर्तमान में करीब 5,500 भारतीय सैनिक और महिला अधिकारी नौ देशों में संयुक्त राष्ट्र मिशनों का हिस्सा हैं। शांति स्थापना के इतिहास में भारत ने 179 सैनिकों और पुलिसकर्मियों की सर्वोच्च शहादत दी है जो भारत के नैतिक नेतृत्वका प्रतीक है। यह सम्मेलन भारत की सांस्कृतिक भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम', पूरी दुनिया एक परिवार है, के मूलमंत्र पर आधारित होगा। साथ ही यह भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में 75 सालों की सहभागिता को भी स्मरण करेगा, जो 1948 में कोरिया युद्ध के दौरान चिकित्सा सहयोग से शुरू हुई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के 75 साल पूरे होने पर भारत द्वारा आयोजित यह सम्मेलन केवल एक सैन्य आयोजन नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक दृष्टि और नैतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक ऐसे समय में जब दुनिया संघर्षों, शक्ति प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनावों से भरी हुई है, भारत खुद को 'वैश्विक शांति के केंद्र' के रूप में प्रस्तुत कर रहा है यह केवल रणनीतिक कदम नहीं, बल्कि सभ्यतागत दृष्टिकोण का विस्तार है।

बता दें भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। कोरिया से लेकर कांगो, सूडान, लेबनान और दक्षिण सूडान तक जहां-जहां मानवता खतरे में पड़ी, वहां भारत के सैनिकों ने हथियार नहीं, बल्कि विश्वास और करुणा के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 179 सैनिकों की शहादत केवल आंकड़े नहीं हैं ये भारत की शांति-दृष्टि की कीमत हैं।

इस सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित न किया जाना भी कम प्रतीकात्मक नहीं है। यह कदम यह दर्शाता है कि भारत अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि शांति विमर्श का निर्णायक सूत्रधार बनना चाहता है और वह अपने राजनयिक मूल्यों को तय करने में स्वतंत्र है। भारत में होने वाला यह आयोजन अपने आप में 'सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी' का नया उदाहरण है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंध - एक अलौकिक अनुभव

लेफ्टिनेंट जनरलविष्णु कांत चतुर्वेदी , पीवीएसएम, एवीएसएम, एस एस, पूर्व सैनिक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजय दशमी के पावन पर्व पर अपनी एक शताब्दी की यात्रा पूरी कर ली है। हम सब ने बहुत कुछ जाने अनजाने में इस संस्था के कार्य और उनकी संरचना के बारे में सुना है या फिर स्वयं भी किसी न किसी रूप में अनुभव किया है। मेरा भी इस संगठन से जुडाव कुछ इसी प्रकार हुआ।

मैं 31मई 2011 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुआ। तब तक, मैने इस संगठन के बारे में केवल अखबारों में, पत्रिकाओं में या फिर कभी किसी राजनीतिक चर्चाओं में सुना था। मैं अब यह कह सकता हूं कि एक ऐसा संगठन जिसने अपने आप को केवल मानवता और राष्ट्र को समर्पित कर दिया, मैं स्वयं सेना की नौकरी में कार्यान्वित होने के कारण इस संगठन के उत्कृष्ट कार्यो से अनभिज्ञ रहा। ऐसा भी नहीं, कि मैंने अपने सेना के सेवाकाल में, इस संगठन के कार्यों का अनुभव नहीं किया, लेकिन कभी ध्यान ही नहीं दिया कि, यह निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता है।

सेवानिवृत्त के बाद, मुझे इस संगठन के कुछ कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला, इसमें मुझे एक अप्रत्याशित सुख का अनुभव हुआ। कभी कभी, कुछ विविध संगठन मुझे अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करने लगे, मैं जाने लगा, मुझे भी जाकर बहुत अच्छा लगता था। आत्मीयता, सहजता, नम्रता का व्यवहार मुझे बहुत ही प्रभावित करता था। सभी को आदर, सदैव भाषा की मर्यादा का पालन, अनुशासन और समय का पालन, मुझे अपने सेना के सेवाकाल की यादों में ले जाता था।

धीरे-धीरे, मै बिल्कुल राष्ट्रीय स्वयंसेवक की कार्यशैली में पूरी तरह से रम गया। मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के सम्पर्क में भी आने लगा, उनकी विचारधारा, नैतिक मूल्य और राष्ट्र के प्रति सम्पूर्ण समर्पण की भावना मुझे बहुत ही प्रभावित करने लगी, क्योंकि ये वही मूल्य थे जिनको मैं सेना में रहते हुए पूर्णरूपेण स्वीकार कर चुका था। इसलिए मुझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में फिर से अपनापन लगने लगा और मैं प्राकृतिक रूप से इस परिवार का एक छोटा सा हिस्सा बन गया।

'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण'का यह वाक्य केवल वाक्य नहीं है, मैने इन 12/13 वर्षों में इस पर कैसे अमल किया जाता है स्वयं देखा है। 'संकल्प से सिद्धि' किस प्रकार प्राप्त होती है, यह मैंने अनुभव की है। जब भी कोई समस्या, किसी भी क्षेत्र से हो, आती है,तो उस पर गहन विचार किया जाता है, सामूहिक चर्चा होती है, सभी को पूर्ण स्वतंत्रता होती है अपने विचार रखने की, और फिर, इस समस्या के समाधान के विकल्पों पर विचार कर के निर्णय लेने की पद्धति, एक समावेशी कार्यशैली जिसमें सभी भागीदार हों को इंगित करती है। यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विशेषता है।

मैं पूर्ण रूप से आश्वस्त हूं और पूरे विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना एक दैवीय संयोग है । भारत की पहचान, भारत की संस्कृति की निरंतरता, भाषाओं, विरासत,धरोहर और परंपराओं की रक्षा के लिए ईश्वर ने इस संगठन की स्थापना की है। अगर विजय दशमी के दिन, वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूजनीय डा. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नहीं की जाती, तो हमारे प्रिय भारत का भविष्य क्या होता शायद कोई नहीं बता सकता। केवल कल्पना की जा सकती है। कठिन परिस्थितियों में, कोई भी साधन न उपलब्ध होने के बाबजूद भी ये मुट्ठी भर कर्मठ, निष्ठावान कार्यकर्ता, अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपना सर्वोच्च समर्पित कर के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के मार्ग पर प्रशस्ति हो गये और हमारे प्राणों से भी प्यारे भारत की भारतीयता की रक्षा की।

असंख्य कठिनाइयों, सामाजिक, प्रशासनिक, राजनीतिक विरोध और बहुत ही न्यूनतम साधनों के साथ के बावजूद लगन, ये भारत के वीर अपनी प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ समर्पण भाव से केवल राष्ट्र और समाज निर्माण के लिए दृढ़ संकल्प के साथ लगे रहे। भारत को और भारतीयता को बचाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का योगदान अकल्पनीय है, अनुकरणीय है।

आज जब यह बटवृक्ष बहुत विशाल रुप धारण कर चुका है तो मुझे लगता है कि यह उन महान विभूतियों के संघर्ष, त्याग तपस्या और बलिदान के कारण ही संभव हुआ है। मैं स्वयं भी एक सैनिक हूं,और निस्वार्थ सेवा, सेवा परमोधर्म, त्याग, बलिदान के अर्थ भली-भांति समझता हूं, लेकिन जो राष्ट्र प्रेम, समाज सेवा और राष्ट्र प्रथम की भावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक प्रदर्शित करते हैं उसके लिए शायद कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है यह एक उत्कृष्ट, अद्वितीय और अनुकरणीय मूल्य हैं जिनको हम शब्दों में नहीं बांध पायेंगे, केवल इसका अनुभव ही कर पायेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विस्तार आज राष्ट्र के हर आवश्यक क्षेत्र, जैसे कि आदिवासी और जन जातीय उत्थान,महिला सशक्तिकरण, जनसंख्या असुंतलन, राष्ट्रीय सुरक्षा, परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, विज्ञान और तकनीकी विकास, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण, कृषि क्षेत्र में सुधार, प्रचार के विश्वसनीय माध्यम, विमर्श निर्माण, शिक्षा पद्धति का भारतीयकरण, क्रीडा विकास, नागरिक कर्तव्य, नक्सली गतिविधियां पर नियंत्रण पूर्वोत्तर राज्यों का विकास, व्यक्ति/चरित्र निर्माण , भारतीय विरासत/परंपराओं की रक्षा, पारंपरिक भाषाओं का उत्थान, भारतीय खान-पान में गर्व, राष्ट्रीय तीज त्यौहारों को उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाना , आधार भूत संरचना का विकास, न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण, प्रशासनिक सुधार, रोजगार के अवसर, स्वाबलंबन, पर्यावरण ,आत्मनिर्भरता, इत्यादि सभी क्षेत्रों में बहुत ही गुणात्मक रूप से हो चुका है।बहुत ही उत्कृष्ट और अकल्पनीय कार्य हो रहा है । भविष्य के लिए भी बिल्कुल स्पष्ट प्रतिमान स्थापित किये जा चुके हैं और उनको प्राप्त करने के लिए पूरी गति से कार्य चल रहा है।

एक बहुत ही महत्वपूर्ण दृष्टिकोण की तरफ में आप सब का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इस संगठन में जब आप पूरी तरह से रम जाते हैं तो आप को स्वयं यह अनुभव होता है कि आप राष्ट्र के सबसे शिक्षित, अनुभवी और त्यागी महापुरुषों के बीच में है। सभी पढ़े-लिखे हैं, अनुभवी है और यह सब अनुभव केवल पुस्तकों से न होकर, जमीन पर जाने से, लोगों से मिलकर, स्वयं अनुभव करके और कुछ प्रतिष्ठित और ज्ञानी लोगों से चर्चा करके प्राप्त हुआ है। जब भी आप कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श करते हैं तो आपको एक बहुत ही रोचक अनुभूति होती है। सादा जीवन उच्च विचार को चरितार्थ करते हुए, यह संगठन और स्वयंसेवक कभी भी, किसी भी उपलब्धि का श्रेय लेने को मुखर नहीं रहते,श्रेय लेना उनका व्यक्तित्व नहीं है। सदैव इनका भाव रहता है राष्ट्र की, मानवता की, पर्यावरण की परिवार की समाज की किस प्रकार सेवा की जा सकती है। सेवा, सहायता, विकास, प्रगति गरीब कल्याण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता ही इस संगठन का मूल मंत्र है और ये भारत के वीर उस पथ पर निश्चल, निडर होकर सदैव आगे बढ़ते जा रहे हैं।

मेरा यह सौभाग्य रहा कि जाने अनजाने में ही सही मैं इस अद्वितीय संगठन से जुड गया हूं। मैं स्वयं अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करता हूं कि एक ऐसा संगठन जो भारत, भारतीयता, और भारतीयों के लिए कार्य करती है और राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र प्रथम के अतिरिक्त इसके केंद्रबिंदु में और कोई भी विचार नहीं है, मैं उस संगठन से संबंधित हूं। इस दौरान मैं कुछ अभूतपूर्व महानुभावों से भी मिला जिन्होंने मेरे जीवन को एक सकारात्मक नई दिशा दी है। मेरे अपने व्यक्तित्व में भी मैं बहुत कुछ सकारात्मक परिवर्तन देख सकता हूं। मैं जितना भी इस संगठन से जुडता जा रहा हूं मुझे उससे भी ज्यादा सुख की अनुभूति होती है। यह मैं समझता हूं कि एक दैवीय प्रवृत्ति है कि आप जब त्यागी, निस्वार्थवादी महानुभावों से मिलते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है और आप अपने-आप सबल होकर इन राष्ट्र प्रेमियों के साथ कदम से कदम मिलाकर कर भारत को यश और कीर्ति के शिखर पर ले जाने के मार्ग पर प्रशस्त हो जाते हैं।

मैं अपने अदभुत अनुभूति को इसलिए लिख रहा हूं कि जिनके भी हृदय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ भ्रांतियां हैं वो अवश्य ही इस संगठन से जुड़ें , सभी भ्रांतियां दूर हो जायेंगी, और एक नवीन ऊर्जा का निर्माण होगा जो सकारात्मक होगी और राष्ट्र और व्यक्ति के निर्माण में सार्थक होगी।

तेरा वैभव अमर रहे मां।
हम चार दिन रहें न रहें।
भारत माता की जय

मैं पूर्ण रूप से आश्वस्त हूं और पूरे विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना एक दैवीय संयोग है । भारत की पहचान, भारत की संस्कृति की निरंतरता, भाषाओं, विरासत,धरोहर और परंपराओं की रक्षा के लिए ईश्वर ने इस संगठन की स्थापना की है। अगर विजय दशमी के दिन, वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूजनीय डा. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नहीं की जाती, तो हमारे प्रिय भारत का भविष्य क्या होता शायद कोई नहीं बता सकता। केवल कल्पना की जा सकती है।

संपादकीय

आखिरकार शांति!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था। दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। हूतियों के हमलों से समुद्री मार्ग से होने वाला वैश्विक व्यापार तक बुरी तरह प्रभावित हुआ। बहरहाल, अब जब इस्राइल व हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं तो अब प्रयास हो कि यह शांति स्थायी हो सके।

अन्नदाता

लेखक- वीके माहेश्वरी

बाल्यकाल से यही पढ़ाया गया है, सिखाया गया है, सुनाया गया है कि, भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। भारत के सत्तर प्रतिशत नागरिक खेती करते हैं। किसान ही सबका अन्नदाता है। बचपन में महाकवि घाघ जो कि आकाश का रंग, हवा की दिशा एवं पक्षियों की आवाज से मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगा लेते थे और दोहों में प्रकट करते थे। जिससे किसानों को बहुत लाभ होता था, खेती की बहुत सी तकनीक भी उन्होंने छोटे-छोटे दोहों के माध्यम से बताई थी, जो किसानों में बहुत प्रचलित थी। उनका एक दोहा भी सुना एवं पाठ्य पुस्तकों में पढ़ा भी था।

उत्तम खेती मध्यम बाण निषिद्ध चाकरी भीख निदान

अर्थात् खेती ही उत्तम है दूसरे स्थान पर वाणिज्य तथा तीसरे स्थान पर चाकरी अर्थात् नौकरी आती है। परन्तु नौकरी को उन्होंने निषिद्ध बताया था। मेरे पूर्वज भी किसान थे मेरे परिवार में लगभग छः पीढ़ियों से खेती होती थी। मैंने बचपन में अपने पिताजी को खेती करते देखा था। मैंने बचपन में स्वयं भी खेती में पिता जी का सहयोग किया था अतः खेती का मन-मस्तिष्क पर इतना प्रबल प्रभाव था जो अभी भी है, कि बस खेती करने का ही मन करता है। परन्तु मैं जीवन भर तो खेती-किसानी नहीं कर पाया, क्योंकि एक छोटे से काल के लिये मेरा राजकीय सेवा में चयन हो गया था। मुझमें तो उस राजकीय सेवा की योग्यता नहीं थी, ऐसा लगता है कि किसी गलती या मात्र भाग्यवश ऐसा हुआ होगा। राजकीय सेवा में रहते हुए भी खेती से मेरा नाता टूटा नहीं था। परिवार जन खेती ही करते थे, मैं तो नहीं कर पाता था। परन्तु लगाव निरंतर बना रहा। राजकीय सेवा में होने के कारण मेरी माता मुझे अकसर कहती थी अपने हिस्से की कृषि भूमि बेच दे, अब तू क्या खेती करेगा, परन्तु खेती से एवं धरती माँ से इतना स्नेह था कि मैंने कृषि भूमि कभी बेचने की कल्पना भी नहीं की। सोने पर सुहागा यह था कि ससुराल भी ऐसा मिला था जहाँ पर खेती होती थी। अतः राजकीय सेवा से निवृत होते ही मैंने गाँव की ओर प्रस्थान किया तथा खेती के सभी उपकरण जुटाये, एक सहायक भी रखा और खेती करने लगा।

खेती करने के साथ गांव के अपने पुराने साथियों से भी मिलना-जुलना आरंभ हो गया जिनका साथ छूट-सा गया था। जो जीवन भर खेती करते रहे थे। वे मुझे खेती के बारे मे परामर्श देते रहते थे। उनका परामर्श भी मेरे लिये अत्यंत सहायक एवं उपयोगी रहता था। वे सब कहते थे कि भईया, गेहूँ, गन्ना, धान, मक्का, सरसों इत्यादि की खेती करने से कोई बचत नहीं होती अपना पेट भी नहीं पाल पाओगे। एक काम करो खेत की मेढ़ के चारों ओर ''युकेलिप्टस'' के पेड़ लगा लो, यह पाँच-छह साल में कटने योग्य हो जाते हैं। इनके कटने पर कोई रोक भी नहीं है। इनकी मण्डी भी पास में अर्थात् हरियाणा राज्य के यमुनानगर में ही है जहाँ पर इनकी लकड़ी अच्छे दामों में बिक जाती है, बस किसान की तो यही बचत है, और खेती करने पर मुझे उनकी बात सत्य प्रतीत हुई। मैंने भी खेतों की मेढ़ पर युकेलिप्टस के पौधों की रोपाई करदी एवं खेतों में गेहूँ और धान इत्यादि की फसल उगाने लगा। 5-6 वर्षों तक, मैंने गेहूँ, गन्ना, धान, इत्यादि की खेती की परन्तु जो फसल उगती थी उसका अधिकांश भाग, बीज, खाद, सिंचाई, निराई, गुडाई एवं गहाई में ही व्यय हो जाता था। बस इतना ही बच पाता था कि मैं अपने परिवार के भोजन का प्रबंध कर सकूं। उस फसल से अन्य खर्चे निकालना संभव नहीं हो पा रहा था, परन्तु मैंने हार नहीं मानी, खेती के नवीनतम विधियों से खेती करता रहा खेती करने से मालूम हुआ कि सरकार कृषकों कि बड़ी हितैषी है। अब तो सरकार की ओर से अन्नदाता किसान को भीख भी मिलनी आरंभ हो गयी है क्षमा किजिये, सम्मान राशी भी मिलनी शुरू हो गयी है। तब यह अनुभव हुआ कि हम किसान कहाँ से कहाँ पहुँच गये हैं। जो अन्नदाता था उसे स्वयं को सहायता की आवश्यकता होने लगी है। सम्मान राशी ही नहीं, खेती करते समय यह भी जानकारी में आया कि सरकार ने तो किसानों के सामने कितने ही विभाग खड़े किये हुए हैं, क्षमा करें, सामने नहीं, किसानों के साथ में अनेकों विभाग खड़े किये हुए हैं जो किसान की समस्या का कारण होते हैं, नहीं-नहीं किसान कि हर समस्या का निवारण होते हैं। कोई भी विभाग कभी भी किसान की सहायता के लिये नहीं आता, क्षमा कीजिए हर समय सहायता के लिए उत्सुक एवं तत्पर रहते हैं। यह विभाग है राजस्व विभाग, वन विभाग, पुलिस विभाग, सहकारिता विभाग, विद्युत विभाग, पशु पालन विभाग, पंजीकरण विभाग, कीट नाशक विभाग, पर्यावरण विभाग, परिवहन विभाग, कृषि विभाग, छात्र संघ, खाद्य निगम, मण्डी विभाग पर्यावरण विभाग इत्यादि। जब तक मैंने गेहूँ, धान इत्यादि की खेती की जो मेरे पास राजस्व विभाग का कोई कर्मचारी नहीं आया ना ही उनसे कोई सहायता प्राप्त हुई। बस मण्डी या खाद्य निगम से ही अधिकतर कार्य पड़ता था। समय के साथ साथ मेरे द्वारा रोपे गये युकेलिप्टस के पौधे भी वृक्ष का रूप ले चुके थे। सभी गांव-वासियों ने परामर्श दिया कि अब यह वृक्ष कटाई योग्य हो गये हैं। अतः इन्हें कटवा कर यमुनानगर मण्डी में बेच आओ। तब मेरे मन में भी प्रसन्ना की अनुभूति हुई कि छः वर्ष के उपरान्त ही सही, अब मुझे नकदी फसल का धन मिलेगा, जिससे मेरी बहुत सी समस्याओं का निदान हो जायेगा। मैंने एक दिन युकेलिप्टस के कुछ पेड़ कटवाये, उन्हें टैक्टर-ट्रॉली में लदवाया व एक सहायक के साथ यमुनानगर की ओर प्रस्थान किया। जैसे ही मैं ट्रैक्टर लेकर कच्चे मार्ग से पक्के मार्ग पर चला तो सामने से चमचमाती मोटर साइकिल पर चमचमाते कपड़े पहने एक व्यक्ति आया, उसने कहा टैऊक्टर रोको। मुझे लगा पटवारी है, तभी सहायक ने बताया, भैया यह पटवारी जी नहीं हैं यह तो पटवारी जी के सहायक हैं। मेरा माथा चकराया, पटवारी के सहायक सरकार की ओर से दिये गये हैं क्या? तब मेरे सहायक ने मुझे समझाया अब पटवारी किसी के खेत पर नहीं जाते, सभी ने सहायक रखे हैं, जिन्हें वह अपनी जेब से वेतन देते हैं। यही लोग पटवारी का काम करते हैं। मैं इन बातों पर सोच ही रहा था कि उसने रोबदार एवं इन्द्राज खसरे में करना है। मैंने कहा पिछले 6 वर्षों में तो मेरे खेत की फसल या पेड़ो का इन्द्राज करने अर्थात् पड़ताल करने कोई पटवारी नहीं आया मैं तो हर वर्ष खसरे की प्रति लेता हूँ, जिसमें पेड़ों का कोई उल्लेख नहीं होता था। वह मुझ पर चीखा, चुप रहो, हमको अक्ल मत सिखाओ। सारी लकड़ी ट्रॉली से नीचे उतारो मुझे पेड़ गिनती करने दो अन्यथा सरकारी कार्य में बाधा डालने में रिपोर्ट थाने में लिखा दूंगा। ट्रॉली से 100 कुंतल लकड़ी उतारना व फिर चढ़ाना -हाय राम- अब क्या करूँ। मुझे विवशता प्रतीत हुई तभी मेरे सहायक ने मेरी सहायता की। भैया, यह सब हमारी सुविधा के लिए ही है।

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

चिंतन मनन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है।

यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट का जूता कांड - सिक्योरिटी और दिल्ली पुलिस पर सवालिया निशान

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था मैं सुप्रीम कोर्ट के वकील द्वारा जूता फेंके जाने की घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था, न्यायपालिका की गरिमा और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मूर्खता और उतेजना का नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की लापरवाही का प्रतीक है, जो देश की सर्वोच्च अदालत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा। सुरक्षा व्यवस्था भी अब राजनीति की भेंट चढ़ चुकी है। दिल्ली पुलिस सीधे तौर पर गृह मंत्रालय के अधीन आती है। सुप्रीम कोर्ट परिसर की सुरक्षा का दायित्व भी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस पर है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है। सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई? जब देश का सर्वोच्च न्यायालय और उसके मुख्य न्यायाधीश सुरक्षित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में रोज़ाना देश के सबसे संवेदनशील और उच्च-प्रोफाइल मामलों की सुनवाई होती है। उसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था में जो लापरवाही की गई है वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। यह न केवल सुरक्षा की विफलता है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की नाकामी भी है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की खामोशी इस घटना को अधिक संदिग्ध बनाती है। दिल्ली पुलिस की भूमिका भी चर्चाओं में है। यह कोई साधारण कोर्टरूम नहीं था। वह स्थान था, जहाँ संविधान की आत्मा और न्याय के लिए बड़े संवेदनशील फैसले सुनाए जाते हैं। फिर भी गृह मंत्रालय ने कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है। ना ही दिल्ली पुलिस ने इस अपराध पर कोई मामला दर्ज किया है। सुप्रीम कोर्ट की सिक्योरिटी में जो बल तैनात था, उन्होंने भी अपनी ओर से दिल्ली पुलिस में आपराधिक मामला दर्ज नहीं कराया। सभी ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। इस चुप्पी से जनता में यह धारणा बन रही है, सरकार इस मुद्दे को हल्के में ले रही है। सरकार इस मामले से अपने आप को बचाना चाहती है। जिसके कारण सुरक्षा में चूक तथा आरोपी के खिलाफ कार्यवाही को लेकर सरकार बचना चाहती है, यह संदेश जा रहा है। जब आरोपी के अपराध को तय ही नहीं किया जा सकेगा और उसे सजा ही नहीं मिलेगी तो आगे इस तरह की घटनाओं को कैसे रोका जा सकेगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है, फमुख्य न्यायाधीश ने अपराधी को माफ कर दिया है। जो कानूनी रूप से सही नहीं है। माफी देने का अधिकार किसी न्यायाधीश के पास नहीं होता है। यह अधिकार केवल राष्ट्रपति के पास है। यदि अपराध हुआ है, तो कार्रवाई करना सरकार और पुलिस की संवैधानिक जिम्मेदारी है। यहां तो मामला न्यायपालिका के सर्वोच्च अधिकारी और सर्वोच्च संस्था की गरिमा की रक्षा से जुड़ा हुआ है। इस घटना से जाहिर है, समाज में असहिष्णुता और संस्थाओं के प्रति सम्मान और विश्वास का स्तर तेजी से गिर रहा है। जब देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था और सर्वोच्च अधिकारी पर हमला हो सकता है, तो ऐसी स्थिति में भारत में कौन सुरक्षित है, इसको आसानी से समझा जा सकता है। यह लोकतंत्र की जड़ों पर करारा प्रहार है। यदि भविष्य में इसे नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम सारे देश को भोगना पड सकते हैं। सरकार को तुरंत इस मामले में अपराधिक प्रकरण दर्ज कराकर दोषी व्यक्ति के ऊपर कार्यवाही करनी चाहिए। जो कुछ हुआ वह कैमरे के सामने हुआ। जिसने किया वह भी सुप्रीम कोर्ट का वकील है। वह सारे नियम, कायदे कानून को जानता है। जो अपराध उसने किया है। उस पर बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष कार्यवाही तुरंत करनी चाहिए।

सुरक्षा व्यवस्था की पूरी समीक्षा करनी चाहिए। सरकार और दिल्ली पुलिस की यह चुप्पी, कार्यवाही के मामले में ढिलाई एक 'जूता कांड' बनकर रह जाएगा।

यह सरकार और संस्थागत कमजोरी का प्रतीक माना जाएगा। कानून के शासन के स्थान पर इस भीड़ तंत्र का शासन मान लिया जाएगा। लोग मानकर चल रहे हैं कि संविधान खतरे में है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं समाप्त हो रही हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव और निर्देश पर काम कर रही हैं। न्यायपालिका से भी यदि लोगों का विश्वास घट गया तो यह सबसे खराब स्थिति होगी। पिछले 75 वर्षों में ऐसी स्थिति कभी नहीं रही। इस विषय पर सरकार को गंभीरता से विचार करते हुए त्वरित कार्यवाही करनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नायडू ने विमानन कंपनियों से कहा, नहीं बढ़ाए त्योहारों में हवाई किराया

नई दिल्ली नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विभिन्न विमानन कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें उनके संचालन और तकनीकी प्रदर्शन का आकलन किया गया। बैठक में एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, फ्लाई91, फ्लाईबिग समेत अन्य एयरलाइनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्री ने त्योहारों के दौरान हवाई किराए में अनावश्यक वृद्धि को लेकर चिंता जताई और सभी कंपनियों से किराया उचित स्तर पर बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में संभावित वृद्धि के बावजूद कंपनियां जनता की सुविधा का ध्यान रखें। अधिकारियों ने अपने-अपने प्रदर्शन, सुरक्षा घटनाओं और यात्री शिकायतों पर की गई कार्रवाई से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए। मंत्री ने सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन और सेवा गुणवत्ता में सुधार के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां अपनाने पर जोर दिया।

ट्रंप ने चीनी आयात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी

वॉशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में यह घोषणा की कि वह चीन से होने वाले आयात पर 1 नवंबर 2025 से या उससे पहले 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं। यह कदम चीन द्वारा दुर्लभ मृदा के निर्यात पर लगाए गए नियंत्रणों के जवाब में उठाया जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि यह शुल्क वर्तमान दरों के अतिरिक्त होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मिलने की कोई योजना नहीं है। इस घोषणा के बाद वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है और मंदी की आशंका तेज हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को फिर से भड़का सकता है।

ईपीएफओ के निवेश में कमियां, आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट सुधारने के दिए सुझाव

30 करोड़ कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत पर खतरा

नई दिल्ली देश के सबसे बड़े रिटायरमेंट फंड संगठन ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) की निवेश और फंड मैनेजमेंट प्रक्रिया पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सवाल उठाए हैं। करीब 30 करोड़ कर्मचारियों की 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत का प्रबंधन करने वाले ईपीएफओ को आरबीआई ने कई अहम सुझाव दिए हैं। वर्तमान में ईपीएफओ अपने फंड का 45-65 फीसदी सरकारी बॉन्ड्स, 20-45 फीसदी डेट इंस्ट्रूमेंट्स और 5-15 फीसदी शेयर बाजार में निवेश करता है। वर्ष 2025 में ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज देने का वादा किया है, जबकि सरकारी बॉन्ड्स से औसतन 6.86 फीसदी और निफ्टी व सेंसेक्स से केवल 5 फीसदी से कम रिटर्न मिला। आरबीआई का कहना है कि ईपीएफओ को सिर्फ शेयर नहीं, बल्कि हर निवेश पर बिक्री रणनीति लागू करनी चाहिए। फिलहाल ईपीएफओ चार साल पुराने मुनाफे वाले शेयरों को बेचता है, लेकिन बाजार की मौजूदा स्थिति नहीं देखता। इसके अलावा आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट में खराब निवेश की पहचान, नुकसान दर्ज करने और जोखिम प्रबंधन की कमी को भी उजागर किया। पुराने घाटे वाले निवेश अभी भी पोर्टफोलियो में हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईपीएफओ फंड मैनेजर और नियामक दोनों की भूमिका निभा रहा है, जिससे हितों का टकराव पैदा हो सकता है। आरबीआई ने सुझाव दिया कि तीनों फंड–प्रोविडेंट, पेंशन और इंश्योरेंस–के लिए अलग निवेश रणनीति अपनाई जाए।

सरकार ने विद्युत अधिनियम में बड़े सुधारों का प्रस्ताव रखा

उद्योगों को बिजली दरों में राहत देने का लक्ष्य

नई दिल्ली

सरकार ने विद्युत क्षेत्र के वित्तीय सुधारों को आगे बढ़ाते हुए विद्युत अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधन का मसौदा विधेयक 2025 प्रस्तुत किया है। इस संशोधन में बिजली की दरें लागत के अनुरूप तय करने को अनिवार्य बनाया जाएगा। इससे बिजली वितरण कंपनियों के भारी घाटे को कम करने और वित्तीय स्थिरता लाने का प्रयास किया जाएगा। मसौदे में विशेष रूप से उद्योगों के लिए बिजली दरों को कम करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। इसके साथ ही रेलवे और मेट्रो रेल प्रणालियों को पांच वर्षों के भीतर क्रॉस-सब्सिडी के बोझ से मुक्त करने की योजना है, जिससे मालवहन और यात्री परिवहन की लागत में कमी आएगी। राज्य विद्युत नियामक आयोगों को स्वतः संज्ञान लेकर शुल्क निर्धारित करने का अधिकार मिलेगा। यह व्यवस्था वित्तीय अनुशासन में सुधार लाएगी और संशोधित दरें हर वित्त वर्ष की शुरुआत से लागू होंगी। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग को बाजार संचालित साधन लाने का विशेष

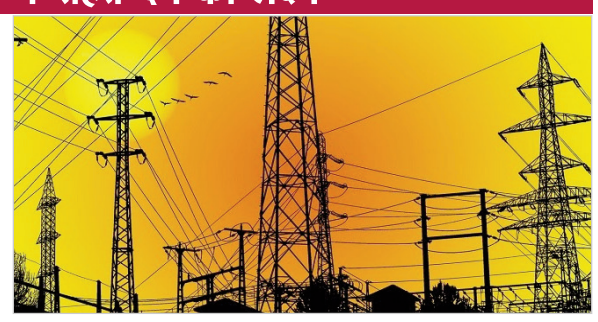

अधिकार दिया जाएगा, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया तेज होगी। यह संशोधन विधेयक बिजली क्षेत्र के घाटे को कम करने, उद्योगों के लिए बिजली की लागत घटाने और देश की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, यह भारत के ऊर्जा संक्रमण को भी गति देगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुदृढ़ करेगा।

बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश

सस्ती, पारदर्शी और विश्वसनीय आपूर्ति की दिशा में कदम

नई दिल्ली बिजली मंत्रालय ने मसौदा बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश किया है, जिसमें वितरण क्षेत्र को वित्तीय रूप से मजबूत और पारदर्शी बनाने के उपाय शामिल हैं। विधेयक राज्यों के नियामकों को बिजली दरों में स्वतः संशोधन का अधिकार देता है, जिससे दर निर्धारण में समयबद्धता आएगी। वितरण लाइसेंसधारकों को नेटवर्क साझा करने की अनुमति दी गई है, जिससे दोहराव और लागत में कमी होगी। विनिर्माण, रेलवे और मेट्रो को पांच वर्षों में क्रॉस-सब्सिडी से मुक्त करने का प्रस्ताव है, जिससे परिवहन लागत घटेगी। विधेयक उद्योगों को स्वयं बिजली उत्पादन और स्वच्छ ऊर्जा विकल्प अपनाने की सुविधा भी देता है। इसके अलावा, अपीलीय न्यायाधिकरण में निर्णय प्रक्रिया तेज करने, साइबर सुरक्षा मजबूत करने और सेवा मानक तय करने का भी प्रावधान है। मंत्रालय ने इस पर 30 दिन में सुझाव मांगे हैं।

टाटा संस की लिस्टिंग की मांग पर फिर अड़ा एसपी ग्रुप

पारदर्शिता और सार्वजनिक हित को बताया प्राथमिकता

मुंबई टाटा संस में 18.4 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला शापूरजी पलोनजी (एसपी) ग्रुप एक बार फिर कंपनी की पब्लिक लिस्टिंग की मांग पर अड़ गया है। समूह ने इसे पारदर्शिता, निष्पक्षता और सार्वजनिक हित से जुड़ा मुद्दा बताया है। एसपी ग्रुप का कहना है कि यह कदम अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों को आगे बढ़ाएगा और संस्थापक जमशेदजी टाटा की विरासत को सच्चा सम्मान देगा। समूह ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर पूर्ण भरोसा जताते हुए कहा कि यह एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था है, जो न्याय और समानता के आधार पर काम करती है। एसपी ग्रुप ने 30 सितंबर, 2025 तक अनुपालन की समय-सीमा को गंभीरता से लेने की अपील की है, जो आरबीआई द्वारा ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग कंपनियों के लिए तय की गई है। वर्तमान में टाटा ट्रस्ट्स, जिनके पास टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है, बोर्ड के फैसलों पर वीटो पावर रखते हैं। रिपोर्टों के अनुसार ट्रस्टियों के बीच टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर मतभेद हैं। एसपी ग्रुप का मानना है कि लिस्टिंग से उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपनी वित्तीय जिम्मेदारियाँ पूरी कर सकेंगे। साथ ही इससे टाटा समूह की कंपनियों में निवेश कर चुके 1.2 करोड़ से अधिक शेयरधारकों के लिए भी मूल्य सृजन का मार्ग खुलेगा।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती रही

कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई

विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली।

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई है, जो पिछले तीन महीनों में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त मानी जा रही है। चार प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस सप्ताह कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही, जहां दोनों सेक्टर्स ने लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि की। शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार शुरुआत की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 81,300 के स्तर पर खुला और दिन के अंत में 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,000 के पार खुला और 183.40 अंक की बढ़त के साथ 25,077.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी सेंसेक्स और

निफ्टी ने क्रमशः 136.63 और 30.65 अंक की तेजी दर्ज की। बुधवार को आईटी शेयरों में बढ़त और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 153.09 अंक गिरकर 81,773.66 और निफ्टी 62.15 अंक घटकर 25,046.15 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार ने फिर जोरदार उछाल लिया; सेंसेक्स ने 398.44 अंक की बढ़त के साथ 82,172.10 और निफ्टी ने 135.65 अंक की तेजी के साथ 25,181.80 अंक पर कारोबार खत्म किया। शुक्रवार को भी बाजार में तेजी बनी रही। सेंसेक्स 328.72 अंक उछलकर 82,500.82 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 103.55 अंक की बढ़त के साथ 25,285.35 अंक दर्ज किए। हालांकि, इस्राइल-हमास शांति वार्ता और अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा शांति योजना के कारण निवेशक सतर्क नजर आए।

क्रेता जब बिल स्वीकार करेगा, तभी बिक्री मानी जाएगी

जीएसटी के नियमों में सुधार

नई दिल्ली जीएसटी ने अपने नियमों में बदलाव किया है। अभी विक्रेता द्वारा जो बिल काटा जाता था। उसे बिक्री मानकर जीएसटी टेक्स वसूल कर लेती थी।

कई मामले में खरीददार बिल को स्वीकार नहीं करता था। जिसके कारण खरीदार एवं विक्रेता को लेकर टैक्स विसंगति बढ़ती चली जा रही थी। जीएसटी ने बिल प्रबंधन में बदलाव किया है। अब जिस क्रेता के नाम पर बिल काटा गया है। उसको उसे स्वीकार करना पड़ेगा। तभी पूरा लेनदेन स्वीकृत माना जाएगा। क्रेता को अब यह अधिकार दिया गया है। वह बिलों को स्वीकार या अस्वीकार कर सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो जीएसटी 2b में उसे क्रेडिट का लाभ नहीं मिलेगा।

पर्सनल लोन में कम उम्र वालों को मिलती है प्राथमिकता, कुछ को मिलता है जल्दी लोन

नई दिल्ली

बैंक सिर्फ आपकी इनकम और क्रेडिट स्कोर ही नहीं देखते, बल्कि आपकी उम्र से भी यह तय करते हैं कि आप लोन के लिए कितने योग्य हैं और आपको किन शर्तों पर पैसे मिलेंगे। असल में उम्र यह बताती है कि आपकी कमाई का समय कितना बचा है और आप कितने साल तक स्थिर इनकम कमा सकते हैं। यही वजह है कि बैंक अलग-अलग उम्र के लोगों को अलग तरह से आंकते हैं। अगर सही उम्र में अप्लाई किया जाए तो न सिर्फ लोन आसानी से मंजूर होता है, बल्कि ब्याज दर और किस्तों में भी आसानी मिलती है। ज्यादातर बैंक पर्सनल लोन के लिए 21 साल से 60 साल तक की उम्र के लोगों को पात्र मानते हैं।

शुरुआती उम्र में जब इनकम स्थिर नहीं होती, तब बैंक ज्यादा सतर्क रहते हैं। वहीं रिटायरमेंट के करीब आने वाले लोगों को भी बैंक कम टेन्योर और सख्त शर्तों पर लोन देते हैं। अगर आपकी उम्र 25 या 30 साल के आसपास है, तो बैंक आपको लंबा टेन्योर यानी 5 से 7 साल तक का समय दे सकते हैं। लेकिन अगर आप 55 की उम्र में लोन लेते हैं, तो बैंक यह सुनिश्चित करते हैं कि किस्तें

रिटायरमेंट से पहले खत्म हो जाएं। ऐसे में टेन्योर छोटा यानी 2 से 3 साल ही रह जाता है। बैंक कम उम्र के और स्थिर नौकरी वाले ग्राहकों को कम रिस्क वाला मानते हैं। इस वजह से 30 से 45 साल के बीच के लोगों को आमतौर पर सबसे अच्छे ऑफर मिलते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्डरूम में महिलाओं की रिपोर्ट के मार्च 2024 एडिशन के मुताबिक 2022 से बोर्डरूम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 3.6 फीसदी बढ़ा है और जेंडर पैरिटी प्राप्त करने की अनुमानित समयसीमा भी सात साल कम हो गई है।

टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व की खींचतान, सरकार ने दी सुलह की नसीहत

नोएल टाटा और मेहली मिस्त्री गुटों के बीच विवाद के बीच हुई बोर्ड मीटिंग

मुंबई टाटा ट्रस्ट्स में चल रही आंतरिक खींचतान के बीच हाली ही में बोर्ड की नियमित बैठक हुई। यह बैठक ऐसे समय पर हुई जब ट्रस्ट की शीर्ष लीडरशिप ने कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में कोई विवादास्पद मुद्दा नहीं उठा और पूरा फोकस स्वास्थ्य परियोजनाओं, ग्रामीण विकास और रोजमर्रा के परोपकारी कार्यों पर रहा। बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं और अस्पतालों को लेकर प्रेजेंटेशन भी दी गईं। सूत्रों ने बताया कि बैठक पूरी तरह शांतिपूर्ण और नियमित रही। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स ने इस बैठक पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रस्ट के भीतर दो गुट बन चुके हैं – एक गुट का नेतृत्व नोएल टाटा कर रहे हैं, जिन्हें रतन टाटा के बाद चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वहीं दूसरा गुट मेहली मिस्त्री के नेतृत्व में है, जिनका संबंध शापूरजी पालोनजी परिवार से है, जो टाटा संस में 18.37 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। नेतृत्व और गवर्नेंस को लेकर जारी इस खींचतान के चलते सरकार ने ट्रस्ट्स से मामले को शीघ्र सुलझाने की सलाह दी है, ताकि 180 अरब डॉलर के टाटा समूह की कार्यप्रणाली प्रभावित न हो।

इधर ट्रंप ने ऐलान किया उधर क्रिप्टो मार्केट में मचा हाहाकार, कई कंपनियों के शेयर गिर

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, '1 नवंबर 2025 से (या उससे पहले अगर चीन कोई और कदम उठाता है) अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो मौजूदा करों से ऊपर होगा। उसी दिन से सभी क्रिटिकल सॉफ्टवेयर पर एक्सपोर्ट कंट्रोल भी लगाए जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम इसलिए जरूरी है क्योंकि चीन 'लगभग हर उत्पाद' पर बड़े पैमाने पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक खतरनाक मिसाल' बताया। अभी अमेरिका चीन के उत्पादों पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। ट्रंप की नई घोषणा के बाद यह दर कुल मिलाकर 130 प्रतिशत हो जाएगी। ट्रंप के इस बयान के बाद क्रिप्टोकरेंसी और अमेरिकी शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। बिटकॉइन और इथीरियम समेत अमेरिका में टेस्ला और अमेजन जैसी कंपनियों के शेयर गिर गए।

ट्रंप ने यह फैसला तब लिया है जब चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स पर नए एक्सपोर्ट नियंत्रण लगाने का ऐलान किया। ये खनिज मोबाइल, कंप्यूटर चिप्स, बैटरी और सोलर पैनल जैसे टेक प्रोडक्ट्स बनाने में जरूरी होते हैं। ट्रंप के ऐलान के तुरंत बाद बिटकॉइन और इथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के दाम गिर गए। बिटकॉइन 10 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर डॉलर 1,10,000 के नीचे चला गया, बाद में हल्का सुधार होकर डॉलर 1,13,096 पर पहुंचा। इथेरियम 11.2 प्रतिशत टूटकर डॉलर 3,878 पर आ गया।

बीएनबी, सोलाना और एक्सआरपी जैसी क्रिप्टोकरेंसी में भी 14 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रेड वार के डर से निवेशकों ने जोखिम भरे निवेश, जैसे क्रिप्टो और टेक स्टॉक्स, से पैसा निकालना शुरू कर दिया है।

महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च, कीमत है रुपए 7.99 लाख

नई दिल्ली

महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का फेसलिफ्ट वर्जन 2025 लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 7.99 लाख रखी गई है। नए मॉडल में एक्सटीरियर, इंटीरियर और राइड कम्फर्ट को लेकर कई अहम अपडेट किए गए हैं। बोलेरो के नए फेसलिफ्ट में कंपनी ने इसके सिग्नेचर बॉक्सी स्टांस और सीधे आकार को बरकरार रखा है। एक्सटीरियर में नया 5-स्लैट क्रोम-एक्सेंटेड ग्रिल, टॉप-स्पेक बी 8 ट्रिम पर 16-इंच के नए एलॉय व्हील और बी6 वैरिएंट से शुरू होने वाले फॉग लैंप शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, स्टील्थ ब्लैक पेंट का नया विकल्प भी पेश किया गया है। हालांकि, बोलेरो की मजबूत और सिंपल डिजाइन इसकी पहचान बनाए रखती है। इंटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। हालांकि, एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले की कनेक्टिविटी अभी नहीं दी गई है। इसके अलावा स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल,यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट, डोर बॉटल होल्डर और टॉप ट्रिम्स पर लेदरेट अपहोल्स्ट्री भी नई है। सुरक्षा के लिहाज से सभी वैरिएंट में डुअल एयरबैग स्टैंडर्ड हैं। हूड के नीचे बदलाव नहीं किया गया है। इसमें भरोसेमंद 1.5-लीटर, 3-सिलेंडर डीजल इंजन मिलता है, जो 76एचपी पावर और 210 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पिछले पहियों को पावर देता है। एसयूवी का लैडर-फ्रेम चेसिस अब भी बरकरार है, लेकिन पीछे पुराने लीफ स्प्रिंग की जगह नया डैम्पर सिस्टम लगाया गया है। यह एडवांस्ड सेटअप उबड़-खाबड़ रास्तों पर सवारी के आराम और स्थिरता को बेहतर बनाता है। महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट अपने नए डिज़ाइन और फीचर्स के साथ पुराने ग्राहकों और नए खरीदारों दोनों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई है, जो मॉडर्न और प्रैक्टिकल एसयूवी अनुभव प्रदान करती है।

जीएसटी कटौती से कार और बाइक की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली

सितंबर महीने में जीएसटी कटौती और नवरात्रि ऑफर्स की वजह से कार और बाइक की बिक्री में तेज उछाल देखने को मिला। अनुमानित 3.75 से 3.8 लाख वाहन फैक्ट्रियों से डिस्पैच किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 5-6 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, रिटेल बिक्री में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, अचानक बढ़ी मांग और त्योहारों की खरीदारी ने ट्रांसपोर्ट नेटवर्क पर दबाव बढ़ा दिया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नालिनिकांत गोल्लागुंटा ने बताया कि ÷त्योहारों की मांग ने ट्रेलरों की उपलब्धता पर असर डाला है, लेकिन हम डीलर नेटवर्क तक वाहनों की डिलीवरी सुधारने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी के पास भी करीब 2.5 लाख पेंडिंग डिलीवरी हैं। कंपनी रेलवे ट्रांसपोर्ट का उपयोग कर डिलीवरी समय पर करने का प्रयास कर रही है। वहीं, बीएमडब्ल्यू इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा कि दिवाली और धनतेरस पर डिलीवरी लेने का ट्रेंड मजबूत है, लेकिन लॉजिस्टिक समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। टू-व्हीलर और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए चुनौती दोगुनी है। लॉजिस्टिक बाधाएं और रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। प्रमुख टू-व्हीलर कंपनियों ने बताया कि कीमतों में कटौती के बाद मांग में उछाल आया, लेकिन मैग्नेट की कमी ने उत्पादन को सीमित कर दिया। सितंबर में टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और रॉयल एनफील्ड ने मजबूत बिक्री दर्ज की। रॉयल एनफील्ड की बिक्री में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि टाटा मोटर्स की कमर्शियल गाड़ियों की बिक्री में 16 प्रतिशत और अशोक लेलैंड में 7 प्रतिशत की वृद्धि रही।

80000 दैनिक वेतन भोगियों की नौकरी खतरे में

दिग्विजय सरकार की याद ताजा हुई

भोपाल

25 साल पहले मध्य प्रदेश शासन ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगाया था। उस समय केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा दैनिक वेतन भोगियों को हटाने के आदेश म.प्र. शासन को दिए गए थे। उस समय प्रदेश कर्ज के बोझ से दबा हुआ था। उस समय इसको लेकर बड़ा बवाल हुआ था। उमा भारती और कल्पना परुलेकर ने उस समय प्रदेश में बड़ा आंदोलन भी किया था। 25 साल बाद एक बार फिर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का मामला तूल पकड़ गया है। पिछले 25 वर्षों में 80000 से अधिक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी नगरीय निकायों मे प्रतिबंध के बाद संस्थाओं में नियुक्त किए गए हैं। नगरीय निकाय विभाग अब इनको नौकरी से निकलने पर विचार कर रहा है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश के लगभग 80000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगारी की कगार पर खड़े हो गए हैं।

नगरीय निकाय विभाग ने सभी नगरीय संस्थाओं से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के बारे में जानकारी मांगी है। यह जानकारी 25 अक्टूबर तक सभी संस्थाओं को देनी है।

उपसचिव प्रमोद शुक्ला के हस्ताक्षर से जारी आदेश में स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है। मार्च 2000 के बाद दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति पर पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है। उसके बाद जो भी नियुक्तियां हुई हैं। उसकी जानकारी शासन ने मांगी है।

नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है।

सरकार की ओर से उन्हें पर्याप्त आर्थिक मदद नहीं मिल पा ही है। ऐसी स्थिति में एक बार फिर दैनिक वेतन भोगियों को नौकरी से हटाने की बात होने लगी है।

यदि सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया, तो लगभग 80 हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी नौकरी से निकाल दिए जाएंगे। 80000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगारी के कगार पर खड़े हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैगनर जैसे गेंदबाज हैं सिराजः विलियमसन

मुम्बई न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा कि जिस प्रतिबद्धता और जुनून से वह खेलते हैं। वह उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। टीम को जब भी उनकी जरुरत हुई उन्होंने उसके अनुरुप काम किया। इसी को देखते हुए विलियमसन ने सिराज की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज नील वैगनर से की। वैगनर को टेस्ट में लंबे स्पैल के लिए जाना जाता था। वह अक्सर प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेते थे। विलियमसन ने कहा, ''न्यूजीलैंड में हमारे पास नील वैगनर जैसा ही एक खिलाड़ी था, जो हमेशा चुनौती स्वीकार करता था और कभी पीछे नहीं हटता था। सिराज उसी जज्बे को दर्शाते हैं।''जसप्रीत विलियमसन ने कहा, ''मैं उन्हें उनके करियर के शुरुआती दौर से ही जानता हूं। मैंने उन्हें आईपीएल में सनराइजर्स के लिए खेलते हुए देखा था।'' उन्होंने कहा, ''जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है टीम को पहले रखने की उनकी प्रतिबद्धता और वह जज्बा जिससे वह हर बार गेंदबाजी करना चाहते हैं। वह हमेशा लंबे स्पैल डालकर मैच का रुख बदलना चाहते है। उनका यह रवैया टीम में भी असर करता है और यह उनके मजबूत नेतृत्व गुणों को दर्शाता है।''

महिला क्रिकेट विश्व कपः भारत-ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने

मुकाबले से पहले भारतीय शीर्षकम पर दबाव

विशाखापत्तनम

महिला क्रिकेट विश्व कप के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। पिछले मैचों में खराब फॉर्म और शीर्षक्रम की असफलता के कारण भारतीय बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अगर टीम के शीर्ष पांच बल्लेबाज इस बार जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे, तो सेमीफाइनल की राह कठिन हो सकती है।

टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में श्रीलंका और पाकिस्तान को हराकर शुरूआत अच्छी की थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बृहस्पतिवार को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

तीसरे मैच के बाद भारत चार अंकों के साथ ग्रुप में तीसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों में पांच अंकों के साथ शीर्ष पर है।

लगातार तीसरे मैच में भारतीय शीर्षक्रम ने निराश किया। आठवें नंबर की बल्लेबाज रिचा घोष के 94 रन ही टीम के कुल 251 रन बनाने में मुख्य योगदान रहे। कप्तान हरमनप्रीत कौर पिछले तीन मैचों में 21, 19 और 9 रन ही बना पाई हैं, वहीं स्मृति मंधाना ने 8, 23 और 23 रन ही जोड़ पाए। मध्यक्रम की जेमिमा रॉड्रिग्स केवल पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन ही बना सकी। कुल मिलाकर, शीर्ष पांच बल्लेबाजों में किसी ने भी तीन मैचों में अर्धशतक नहीं बनाया। हार के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी से नहीं खेल सके। हमें बड़े स्कोर बनाने होंगे और सकारात्मक सोच के साथ खेलना होगा।

ऑस्ट्रेलिया अब तक बिना किसी हार के आगे बढ़ रही है। गत चैम्पियन ने पाकिस्तान के खिलाफ बेथ मूनी के शतक और गेंदबाजों की सहायता से जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज किम गार्थ, मेगन शूट और अनाबेल सदरलैंड ने मिलकर सात विकेट लिए। पिछले 12 वनडे विश्व कप मुकाबलों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारत केवल तीन बार ही जीत पाया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने नौ बार जीत दर्ज की है।

भारत की उम्मीदें कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्पिनर दीप्ति शर्मा पर टिकी हैं, जिन्होंने 2017 इंग्लैंड सेमीफाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी

उनके अनुभव और प्रदर्शन से टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया जैसी चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ मुकाबले में मजबूती मिलने की उम्मीद है।

टीमें -

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

कास्परोव ने आनंद को तीसरी बाजी में हराकर बनाई बढ़त

द लीजेंड्स चैस टूर्नामेंट 2025 : **सैंट लुई**

शतरंज के दो महान खिलाड़ियों के बीच मुकाबले के पहले दिन गैरी कास्परोव ने भारत के विश्वनाथन आनंद को तीसरी बाजी में हराकर क्लच शतरंज मुकाबले में 2.5-1.5 की बढ़त हासिल कर ली। 62 साल की उम्र में कास्परोव ने दिखा दिया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनके पास शतरंज का हुनर अब भी बरकरार है। आनंद को भी मौके मिले, लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाए।

मुकाबला शतरंज 960 प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जिसमें रोजाना 2 रैपिड और 2 ब्लिट्ज़ बाजियां होती हैं। दिन की शुरुआती दो बाजियां ड्रॉ रही,

लेकिन तीसरी बाजी में कास्परोव ने जीत दर्ज की। आनंद के पास इसे ड्रॉ कराने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। पहली बाजी में भी आनंद का पलड़ा भारी था, लेकिन उन्होंने कुछ सहज गलतियां कीं, जिससे कास्परोव को वापसी करने और बाजी को ड्रॉ कराने का अवसर मिला।

दिन की चौथी बाजी भी ड्रॉ रही, जिससे कास्परोव ने कुल स्कोर में बढ़त बनाए रखी। इस मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर है। विजेता खिलाड़ी को 70,000 डॉलर मिलेंगे, जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर का इनाम मिलेगा। इसके अलावा 24,000 डॉलर का अतिरिक्त बोनस भी रखा गया है। कास्परोव और आनंद का यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक साबित हो रहा है, जहां अनुभव और युवा कौशल का संगम देखने को मिल रहा है।

शाहीन अफरीदी की टेस्ट टीम में वापसी

पाकिस्तान-साउथ अफ्रीका सीरीज 12 अक्टूबर से

लाहौर पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी करीब 17 महीने बाद राष्ट्रीय टेस्ट टीम में वापसी करने जा रहे हैं। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का पहला मुकाबला 12 अक्टूबर से लाहौर में खेला जाएगा। यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र का पहला मैच होगा, जिसे लेकर दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबले की उम्मीद है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें चार विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया गया है। हालांकि यह चर्चा है कि लाहौर की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है, लेकिन टीम प्रबंधन पहले टेस्ट में संतुलित गेंदबाजी संयोजन के साथ उतरने के पक्ष में है। शाहीन शाह अफरीदी नई गेंद के साथ खुर्रम शहजाद का साथ देंगे, जबकि स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी नौमान अली और साजिद खान के कंधों पर होगी। 25 वर्षीय शाहीन ने आखिरी बार मई 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहने के बाद उनकी वापसी पाकिस्तान के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। अफरीदी की स्विंग और शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता टीम के लिए अहम साबित हो सकती है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका टीम हाल ही में शानदार फॉर्म में है। उसने जून में लॉर्ड्स में खेले गए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि पाकिस्तान दौरे पर दक्षिण अफ्रीकी टीम को अपने कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी, क्योंकि वह चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। बावुमा की गैरमौजूदगी में टीम की कमान उपकप्तान ऐडन मार्करम संभालेंगे।

रियान, वैभव और जुरेल को आईपीएल ऑक्शन से पहले राजस्थान करेगी रिलीज

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के आगामी सीजन से पहले अपने कुछ खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है।पिछले सीजन में राजस्थान की टीम नौंवे नंबर पर रही थी। टीम में कार्यवाहक कप्तान रियान पराग, युवा वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद राजस्थान रॉयल्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। संजू सैमसन का रिलीज़ होना तय है।राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के 19वें सीजन में नई रणनीति के साथ उतरना होगा। उसे टीम में ऑलराउंडरों और खास बल्लेबाजों के लिए जगह बनाना होगी। यह तभी संभव होगा जब वह कुछ स्टार खिलाड़ियों को टीम से हटाए। राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले रिलीज करने का मन बना लिया है। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में उनका प्रदर्शन चोटों के कारण प्रभावित हुआ था, जिसकी वजह से वह 14 में से केवल 9 मैच ही खेल पाए थे। संजू ने 2013 में राजस्थान रॉयल्स के साथ अपना करियर शुरू किया और 2016-17 में कुछ सालों तक दिल्ली कैपिटल्स में रहे। उसके बाद से वे फिर राजस्थान रॉयल्स में लौट आए। संजू विकेटकीपर-बल्लेबाज राजस्थान रॉयल्स के सबसे लगातार और सबसे विश्वसनीय बल्लेबाजों में से एक साबित हुआ है, जिसने अपने आईपीएल करियर में 4704 में से 4027 रन राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से रिलीज किए जाने के बाद श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्षणा को आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 4.40 करोड़ में खरीदा था। हालांकि तीक्षणा ने राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए एक सीजन में इतने ही मैचों में 11 विकेट लिए थे। 37.27 की औसत और 9.26 की इकोनोमी रेट के साथ वह उस सीजन में राजस्थान रॉयल्स के सबसे खराब गेंदबाजों में से एक थे। राजस्थान रॉयल्स 4.40 करोड़ रुपए बचाकर किसी ऐसे गेंदबाज को चुन सकता था जो टीम में बेहतर फिट हो सके।वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमेयर आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक अच्छे फिनिशर होने की अपनी प्रतिष्ठा पर खरा नहीं उतर पाए। वह 14 मैचों

में सिर्फ़ 239 रन ही बना पाए, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। दरअसल, वह सिर्फ एक सीजन आईपीएल 2022 में 314 रन को छोड़कर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर । आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने इस कैरेबियाई स्टार को 11 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया था। राजस्थान की टीम हेटमायेर को हटाकर बेहतर फिनिशरों को चुन सकती है।

संक्षिप्त समाचार

हरलीन को आउट कर किया गलत इशारा...नॉनकुलुलेको मलाबा को आईसीसी से फटकार

नई दिल्ली दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा को भारत के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप मैच के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए शनिवार को फटकार लगी और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हराया था। आईसीसी की ओर से बताया गया है, ''मलाबा को खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी माना गया है, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, कार्य या हावभाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया से जुड़ा है।'' यह घटना भारत की पारी के 17वें ओवर में घटी, जब मलाबा ने हरलीन देओल को आउट करने के बाद बल्लेबाज को पवेलियन लौटने का इशारा किया था। आईसीसी ने कहा, ''मलाबा को फटकार लगा दी गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है, क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था।'' द.अफ्रीका ने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में भारत को तीन विकेट से हराया। भारत के 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डि कलर्क ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 54 गेंद में आठ चौकों और पांच छक्कों से नाबाद 84 रन बनाने के अलावा ट्रायोन (49) के साथ सातवें विकेट के लिए 69 रन जोड़कर द. अफ्रीका को 48.5 ओवर में सात विकेट पर 252 रन के स्कोर तक पहुंचाकर जीत दिलाई। कप्तान और सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट ने भी 70 रन की उम्दा पारी खेली। इससे पहले द.अफ्रीका की स्पिनरों ट्रायोन और मलाबा ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों पर शिकंजा कसते हुए स्कोर छह विकेट पर 102 रन कर दिया लेकिन ऋचा घोष (94 रन) और स्नेह राणा (33) ने आठवें विकेट के लिए 53 गेंद में 88 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की, जिससे मेजबान टीम 251 रन तक पहुंचने में सफल रही। ऋचा ने अमजोत कौर (13) के साथ भी सातवें विकेट के लिए 51 रन जोड़े।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाकर गिल ने पंत को छोड़ा पीछे

कोहली के क्लब में शामिल

नई दिल्ली भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शतक लगाया। कप्तान गिल ने 177 गेंदों का सामना कर 100 रन पूरे किए। गिल ने अपनी पारी के दौरान 13 चौके और एक छक्का जड़ा है। बतौर कप्तान गिल का ये पांचवां शतक है। गिल ने 130वें ओवर में पैरी के ओवर में तीन रन लेकर 100 रन पूरे किए। शतकीय पारी के दौरान गिल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बने। उन्होंने पंत को पीछे छोड़ दिया है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज गिल सबसे कम पारियों में पांच शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बने हैं। गिल ने 12 पारियों में ये कारनामा किया, जबकि एलिस्टर कुक ने नौ पारियों में बतौर कप्तान पांच शतक लगाए थे। भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने 10 पारियों के अंदर पांच शतक जड़े थे। गिल ने इस शतक के साथ ही विराट कोहली के खास क्लब में पहुंच गए है। एक कैलेंडर ईयर में बतौर कप्तान पांच टेस्ट शतक जड़ने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 2017 और फिर 2018 में ये कारनामा किया था। वहीं गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाकर एक कैलेंडर ईयर में पांच शतक जड़े दिए हैं। पिछली 12 पारियों में शुभमन गिल के बल्ले से पांच शतक निकले हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2013 से हुए 14 टेस्ट मैचों में कुल 25 शतक लगे हैं, जिसमें से भारतीय बल्लेबाजों ने 23 शतक जड़े हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच : भारत ने पहली पारी में बनाये 518 रन, वेस्टइंडीज का स्कोर 140/4

कप्तान शुभमन गिल का शानदार शतक

नई दिल्ली

भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहली पारी में 518 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच के दूसरे दिन का खेल पूरा हो चुका है। दूसरे दिन के खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 140 रन बना है। शाई होप 31 और टेविन इमलाच 14 रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्टविंडीज की टीम अब भी 378 रनों से पीछे है। रवींद्र जडेजा ने अब तक तीन विकेट लिये हैं।

मैच में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 5 विकेट के नुकसान पर 518 रन बनाकर घोषित कर दी। कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट मैच को वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया था। इस तरह भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है।

वेस्टविंडीज की पहली पारी में शुरुआत अच्छ नहीं रही। जॉन

कैम्पेल सिर्फ 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें रवींद्र जडेजा ने साई सुदर्शन के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद तेजनारायण चंद्रपॉल और एलिक अथानाज ने टीम को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की पार्टनरशिप की। जडेजा ने चंद्रपॉल (34) को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा। कुछ देर बाद अथानाज भी 41 रनों के निजी स्कोर पर कुलदीप यादव का शिकार बने। कप्तान रोस्टन चेज (0 रन) कुछ खास नहीं कर पाए और उन्हें जडेजा ने पवेलियन भेज दिया।

सिमरन शर्मा के पदक खतरे में, गाइड उमर सैफी का डोप टेस्ट फेल

नई दिल्ली विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियन सिमरन शर्मा के पदक अब अनिश्चितता के बीच हैं। उनके दृष्टिबाधित गाइड उमर सैफी का हाल ही में डोप टेस्ट असफल पाया गया है, जिसके बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सैफी पिछले सात महीनों से सिमरन के साथ उनके गाइड के रूप में काम कर रहे थे। उनके टेस्ट में ड्रोस्टैनोलोन नामक प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड पाया गया, जो मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। सिमरन ने 7 सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, उसी प्रतियोगिता में सैफी का डोप टेस्ट किया गया। नाडा ने शुक्रवार को उन्हें अस्थायी निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया। सैफी अब इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं और 'बी' नमूना परीक्षण की मांग कर सकते हैं। इस साल सिमरन ने भारत में आयोजित विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर टी12 में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक भी जीते थे। 100 मीटर में यह उनका लगातार दूसरा विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण था। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियमों के अनुसार, यदि सैफी अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाते, तो सिमरन को अपने पदक गंवाने पड़ सकते हैं। भारतीय पैरा एथलेटिक्स के चेयरमैन सत्यनारायण ने कहा, गाइड भी प्रतियोगिता का हिस्सा होते हैं और उन्हें भी पदक मिलता है। यदि गाइड डोपिंग में दोषी पाया गया, तो एथलीट को भी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। सिमरन पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी हैं, उस समय उनके गाइड अभय सिंह थे। नाडा की हालिया अपडेटेड सूची में 30 नए नाम शामिल किए गए हैं, जिनमें पहलवान रीतिका हुड्डा और धावक एस धनलक्ष्मी भी शामिल हैं। इस सूची में 5 नाबालिग खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो डोपिंग की चिंताओं को और बढ़ाते हैं।

टेस्ट में भारत के लिए 150+ रन बनाने वाले टॉप बल्लेबाजों में जायसवाल

नई दिल्ली दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की है। भारत दूसरे दिन पॉच विकेट पर 518 पर पारी घोषित कर चुका है। पहले दिन की सबसे बड़ी हाइलाइट यशस्वी जायसवाल की शतकपूर्ण पारी रही, जिन्होंने 175 रन बनाकर अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी। इस पारी के साथ ही जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में पांचवीं बार 150 या उससे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। सचिन तेंदुलकर की 20 बार की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि को देखते हुए यशस्वी ने युवा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 150+ रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में जायसवाल ने अपनी जगह पक्की कर ली है। इस सूची में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली जैसे दिग्गज शामिल हैं। हालांकि दूसरे दिन मैदान पर उतरते ही यशस्वी को दुर्भाग्यपूर्ण रूप से रन आउट होना पड़ा।

शिवाजी पार्क में घंटों प्रैक्टिस करते दिखे रोहित शर्मा

मुंबई

भारतीय क्रिकेट के 'हिटमैन' रोहित शर्मा भले ही अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुके हों, लेकिन उनके लिए फैंस का प्यार अब भी बरकरार है। हाल ही में उनसे वनडे टीम की कप्तानी छीन ली गई है, जबकि वह पहले ही टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इन सबके बीच शुक्रवार को सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह मुंबई के मशहूर शिवाजी पार्क में अभ्यास करते नजर आए। वीडियो में रोहित करीब दो घंटे तक नेट्स में जमकर बल्लेबाजी करते हुए दिखे। जैसे ही वह अभ्यास सत्र खत्म कर बाहर निकले, वहां मौजूद फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब हो उठे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि रोहित के मेंटोर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर को खुद फैंस से अपील करनी पड़ी। नायर, जो कभी रोहित के साथ मुंबई रणजी टीम में खेल चुके हैं, फैंस से कहते हुए नजर आए ÷कोई धक्का मत देना, हम सब फैन हैं, लेकिन उसको लगना नहीं चाहिए। रोहित शर्मा ने यह अभ्यास सत्र नायर की निगरानी में ऑल हार्ट क्रिकेट अकादमी में किया, जो शिवाजी पार्क में स्थित है। इस दौरान मुंबई के युवा क्रिकेटर अंगकृष रघुवंशी सहित कई स्थानीय खिलाड़ी भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह अभ्यास सत्र रोहित की ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी का हिस्सा था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। रोहित शर्मा की जगह हाल ही में शुभमन गिल को भारत की वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, 38 वर्षीय रोहित अब इस सीरीज में वापसी करने जा रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच फरवरी 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेला था। उस मुकाबले में भारत ने जीत दर्ज की थी और रोहित की कप्तानी में टीम ने लगातार दूसरा आईसीसी खिताब अपने नाम किया था। हालांकि, रोहित के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें

और विराट कोहली दोनों को ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। दोनों दिग्गज 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में टीम से जुड़ेंगे। रोहित, कोहली और नव-नियुक्त उपकप्तान श्रेयस अय्यर दो अलग-अलग समूहों में

रोहित को कप्तानी से हटाया जाना बदलाव की प्रकियाः गांगुली

शुभमन को कप्तानी दिया जाना सही

कोलकाता भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जाना एक सामान्य प्रकिया है जिससे बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी के साथ होता है पहले मेरे साथ हुआ, फिर द्रविड़ के साथ हुआ और अब रोहित के साथ हुआ है। आगे भी ये होता रहेगा। गांगुली के अनुसार इसे हटाया जाना नहीं माना जाना चाहिये है। उन्होंने कहा कि रोहित एक अच्छे नेतृत्वकर्ता रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित को कप्तानी न देना प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। ये बढ़ती उम्र का मामला है। अगले विश्वकप 2027 में वह 40 वर्ष के होगों। खेल में ये एक बड़ा नंबर है। अभी नये कप्तान बने शुभमन गिल भी भविष्य में इसी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि शुभमन को टेस्ट के बाद एकदिवसीय में भी कप्तानी दिये जाने का फैसला सही है। उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है। इसलिए भविष्य को देखते हुए एक युवा कप्तान को तैयार करना सही रणनीति है। इस दौरान टीम में उन्हें रोहित के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। ' उन्होंने कहा है कि रोहित शर्मा को घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए। उन्होंने कहा था,हां, 40 की उम्र बहुत होती है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वह कितना फिट रहते हैं, वह कितना क्रिकेट खेलते हैं और वह कितने रन बनाते हैं। उन्हें जो भी मौका मिले उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। बात यही है कि क्रिकेट ऐसा खेल है जहां आपको तेज बने रहने के लिए खेलते रहना पड़ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

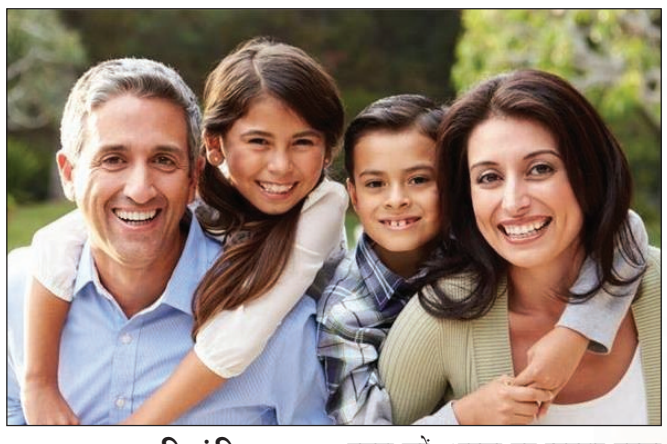

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ओली और प्रचंड की सुरक्षा घटी

काठमांडू, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहल प्रचंड की सुरक्षा टीम में कटौती की है। गृह मंत्रालय के एक उच्च स्रोत के अनुसार, ओली की सुरक्षा में तय संख्या से अधिक तैनात 28 सुरक्षाकर्मियों को बृहस्पतिवार को वापस बुला लिया गया। इसी तरह प्रचंड की सुरक्षा में तैनात 34 सुरक्षाकर्मियों को भी वापस बुलाया गया है। प्रचंड की सुरक्षा में कुल 52 सुरक्षाकर्मी तैनात थे। विशिष्ट व्यक्ति सुरक्षा कार्यविधि के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत उच्च पदस्थ व्यक्तियों को निश्चित मापदंड के तहत ही सुरक्षा व्यवस्था दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दर्ज शिकायत जांचबुझ आयोग ने पुलिस को वापस भेज दी। जेन–जी आंदोलन की जांच के लिए बने आयोग ने यह कहकर शिकायत लौटाई कि मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि फौजदारी अपराधों की जांच और कार्रवाई का अधिकार अन्य निकायों को प्राप्त है, इसलिए इन मामलों में आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, जेन–जी आंदोलन में मारे गए लोगों के परिजनों ने जिला पुलिस परिसर में याचिका देकर ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज न कर उसे आयोग के पास भेज दिया था।

लॉस एंजिलिस में सबसे भीषण आग लगाने के आरोपी को जेल में ही रहना होगा

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस की सबसे भीषण पैलिसेड्स वाइल्डफायर लगाने के आरोपी जोनाथन रिंडरक्नेच्ट को अदालत ने जेल में ही रखने का आदेश दिया है। अभियोजकों का कहना है कि उसकी मानसिक स्थिति भी अस्थिर है। बता दें कि लॉस एंजिलिस में न्यू ईयर डे पर लगी आग एक हफ्ते बाद भड़क उठी थी। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी, इतना ही नहीं 17 हजार से अधिक घर जलकर खाक हो गए थे। आरोपी फिलहाल फ्लोरिडा की जेल में बंद है और अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। अदालत ने उसे भागने का जोखिम मानते हुए जमानत देने से इनकार किया।

चीन में एक 82 साल की महिला ने 8 जिंदा मेंढक निगल गई महिला

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 82 साल की महिला ने 8 जिंदा मेंढक निकल लिए। जब उसके पेट में तेज दर्द उठा तो राज से पर्दा उठा। महिला का कहना है कि पीठ में दर्द से निजात पाने के लिए उसने ऐसा किया था। उसके दावे से डॉक्टर भी हैरान रह गए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक महिला ने सुना था कि जिंदा मेंढक खाने से पीठ का दर्द ठीक हो जाता है। उसने अपने परिवार के ही किसी सदस्य से जिंदा मेंढक लाने को कहा। हालांकि उसने यह नहीं बताया कि वह मेढक का क्या करेगी। परिवार के लोगों ने मेंढक इकट्ठे करके उसे दे दिए। मेढक भी कोई छोटे–मोटे नहीं बल्कि इनकी लंबाई चौड़ाई हथेली के बराबर थी। महिला ने एक दिन तीन मेंढक निकले और अगले दिन पांच और मेढक निगल लिए। इसके बाद उसके पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। महिला के बेटे ने डॉक्टर को बताया, मेरी मां ने आठ जिंदा मेंढक निकल लिए हैं। अब उन्हें इतना दर्द है कि वह चल भी नहीं पा रही हैं। बुजुर्ग महिला को हांगझाउ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके पाचन तंत्र ने नाम करना बंद कर दिया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनके शरीर पर परजीवियों ने हमला कर दिया है। डॉक्टरों को पता चला कि महिला के शरीर में ऑक्सीफिल सेल्स बन गए हैं। एक डॉक्टर ने बताया, महिला के पेट में स्पार्गानम बन गए हैं जो कि एक प्रकार के परजीवी कीड़े होते हैं। हालांकि इलाज के बाद महिला की तबीयत ठीक हो गई। उसे दो सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और फिर छुट्टी दे दी गई।

सीनगल में रिफ्ट वैली वायरस का बड़ा प्रकोप, 17 लोगों की मौत

डैकर, एजेंसी। सीनेगल में रिफ्ट वैली वायरस के दुर्लभ और गंभीर प्रकोप में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 119 मामले दर्ज किए गए हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से मवेशियों को प्रभावित करती है, लेकिन मच्छरों के काटने या संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने पर इंसान भी प्रभावित हो सकते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार यह पहला मौका है जब सीनगल में इतनी बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। गंभीर मामलों में आंखों में नुकसान, मस्तिष्क में सूजन या हेमोरेजिक बुखार जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अफ्रीका में RVF के प्रकोप अधिक बार हो रहे हैं।

बुर्का पहना तो लगेगा लाखों का जुर्माना, इटली की मेलोनी सरकार लाई बिल, मस्जिदों पर भी सख्ती

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की अगुवाई वाली दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली ने संसद में एक विवादास्पद विधेयक पेश किया है, जो देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर बुरका और निकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रावधान करता है। यह कदम इस्लामी अलगाववाद और सांस्कृतिक अलगाव को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसे मेलोनी सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद से जोड़ा है। विधेयक के तहत उल्लंघन करने वालों पर 300 से 3,000 यूरो (लगभग 26,000 से 2.6 लाख रुपये) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यह विधेयक 8 अक्टूबर को संसद में पेश किया गया, जिसमें स्कूल, विश्वविद्यालय, दुकानें, कार्यालय और अन्य सभी सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगाने का स्पष्ट उल्लेख है। पार्टी के तीन सांसदों द्वारा पेश इस प्रस्ताव का उद्देश्य धार्मिक कट्टरवाद और धर्म-प्रेरित घृणा का मुकाबला करना बताया गया है। मेलोनी सरकार का दावा है कि यह कदम इटली की सामाजिक एकजुटता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अलगाव को जड़ से समाप्त करेगा।

क्या है पूरा मामला, समझिए : इटली में पहले से ही 1975 का एक पुराना कानून मौजूद है, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने पर रोक लगाता है, लेकिन यह बुरका या

निकाब का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं करता। मेलोनी की गठबंधन साझेदार लीग पार्टी ने इस साल की शुरुआत में चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर सीमित प्रतिबंध वाली विधायी कोशिश की थी, लेकिन अब ब्रदर्स ऑफ इटली ने इसे देशव्यापी स्तर पर विस्तार देने का फैसला किया है। बुरका एक पूर्ण शरीर-ढकने वाला परिधान है, जिसमें आंखों पर जालीदार स्क्रीन जैसा कपड़ा होता है, जबकि निकाब चेहरे को ढकता है लेकिन आंखों के आसपास का हिस्सा खुला रहता है।

मेलोनी सरकार के एक मंत्री ने कहा, ÷यह विधेयक फ्रांस से प्रेरित है, जहां 2011 में बुरका पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। हम इटली की पहचान और एकता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ वर्तमान में मेलोनी की गठबंधन सरकार संसद में बहुमत रखती है, इसलिए इस विधेयक के पारित होने की संभावना मजबूत मानी जा रही है, हालांकि औपचारिक बहस की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

इस्लामी संस्थाओं के विदेशी फंडिंग पर निगरानी : यह विधेयक धार्मिक संगठनों पर वित्तीय पारदर्शिता के नए नियम भी थोपता है, खासकर उन पर जो राष्ट्र के साथ औपचारिक समझौते नहीं रखते। सरकार का कहना है कि इससे मस्जिदों और अन्य इस्लामी संस्थाओं की विदेशी फंडिंग पर निगरानी बढ़ेगी, जो कट्टरवाद को बढ़ावा दे सकती है। विधेयक के मसौदे में कहा गया है, इस्लामी कट्टरवाद का प्रसार... निस्संदेह इस्लामी आतंकवाद के लिए प्रजनन स्थल है। यह विधेयक मस्जिदों और इस्लामी शिक्षा संस्थानों की फंडिंग पर अतिरिक्त जांच-पड़ताल भी करेगा, क्योंकि इसमें उन संगठनों की फंडिंग पर पारदर्शिता नियम लागू किए जाएंगे जिन्होंने राष्ट्र के साथ औपचारिक समझौते नहीं किए हैं। किसी भी मुस्लिम संगठन का ऐसा कोई समझौता नहीं है और इसलिए उन्हें अपने सभी फंडिंग स्रोतों का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जाएगा। जो समूह राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें फंडिंग नहीं मिल पाएगी।

क्यों उठाया गया यह कदम? मेलोनी का तर्क : प्रधानमंत्री मेलोनी अपनी दक्षिणपंथी विचारधारा के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने इस विधेयक को इस्लामी अलगाववाद के खिलाफ एक मजबूत हथियार बताया है। उनका मानना है कि ऐसे परिधान न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि समाज में अलगाव को बढ़ावा देते हैं। इटली में मुस्लिम आबादी करीब 5 लाख है, और हाल के वर्षों में प्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के मुद्दे राजनीतिक बहस का केंद्र बने हुए हैं। मेलोनी सरकार ने पहले भी प्रवासियों पर सख्त नीतियां अपनाई हैं, जैसे भूमध्य सागर में अवैध नावों को रोकना। विधेयक की घोषणा के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। दक्षिणपंथी समर्थक इसे राष्ट्रीय गौरव की रक्षा बता रहे हैं, जबकि विपक्षी दल और मुस्लिम संगठन इसे इस्लाम-विरोधी करार दे रहे हैं। इटली के प्रमुख मुस्लिम संगठन ने कहा, ÷यह महिलाओं की स्वतंत्रता पर हमला है और धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता का भूकंप: सुनामी का खतरा टला; लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर लेटे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के दक्षिणी मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में शुक्रवार सुबह 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। फिलहाल सुनामी का खतरा टल गया है। पेसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है। फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी ने कई और झटकों की चेतावनी दी। आधे घंटे तक 5.9 तीव्रता और 5.6 तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने विनाशकारी सुनामी आने की आशंका जताई थी। मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के तटीय शहरों में रहने वाले लोगों को तत्काल ऊंची जगहों पर जाने को कहा गया। फिलहाल किसी तरह के बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। इससे पहले 30 सितंबर को फिलीपींस के सेबू प्रांत में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 69 लोगों की मौत हो थी, जबकि करीब 150 घायल हुए थे।

फिलीपींस में सुनामी का खतरा टला : फिलीपींस में आए भूकंप के बाद अब सुनामी का खतरा टल गया है। पेसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है और समुद्र में किसी बड़े खतरे के संकेत नहीं हैं। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, लेकिन फिलहाल किसी और खतरे की आशंका नहीं है।

भूकंप का अबतक सबसे ज्यादा असर दवाओ सिटी में देखनों को मिला है। यहां अस्पताल, स्कूल और सड़कों पर भूकंप से जुड़े कई फुटेज सामने आए हैं। यह शहर मिंडानाओ द्वीप के दावाओ डेल सुर प्रांत का हिस्सा है। मिंडानाओ द्वीप समूह में कुल 27 प्रांत है। इंडोनेशिया के भूकंप और सुनामी केंद्र के प्रमुख ने बताया कि देश के तटीय इलाकों में अधिकतम 17 सेंटीमीटर यानी करीब 6 इंच) ऊंची लहरें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि इसे हम माइनर सुनामी या छोटी सुनामी कहते हैं, यानी ऐसी लहरें जिनकी ऊंचाई 0.5 मीटर से कम होती है। फिलीपींस राष्ट्रपति ने तटीय इलाकों को खाली करने को कहा फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के कुछ तटीय क्षेत्रों को खाली करने के आदेश दिए हैं।

अमेरिकी हमलों से घबराई वेनेजुएला सरकार, संयुक्त राष्ट्र परिषद का आपात सत्र बुलाने की मांग

कराकास, एजेंसी। अमेरिका द्वारा कैरेबियाई समुद्री क्षेत्र में कई बार वेनेजुएला की नौकाओं का निशाना बनाया है। अमेरिका का आरोप है कि इन नौकाओं के जरिए अमेरिका में ड्रग तस्करी की जा रही थी। वहीं अमेरिकी हमलों से वेनेजुएला सरकार घबरा गई है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुहार लगाकर आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की है। वेनेजुएला ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से एक आपातकालीन सत्र बुलाने का अनुरोध किया, जिसमें वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में हाल के हफ्तों में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों पर चर्चा की मांग की गई है।

वेनेजुएला ने रूस के राजदूत को लिखा पत्र : वेनेजुएला ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के राजदूत और परिषद के अध्यक्ष वसीली नेबेंजिया को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा। इस पत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया। मादुरो सरकार ने आशंका जताई कि जल्द ही वेनेजुएला पर सशस्त्र हमला हो सकता है। वेनेजुएला का ये अनुरोध अमेरिकी कांग्रेस द्वारा उस विधेयक को खारिज करने के एक दिन बाद आया है, जो ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने की ट्रंप की क्षमता पर रोक लगाता। अब तक अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई जलक्षेत्र में चार घातक हमले किए हैं, जिसे ट्रंप ने ड्रग कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष घोषित किया है। हालांकि, वेनेजुएला की मादुरो सरकार का कहना है कि व्हाइट हाउस इस अभियान को उनके खिलाफ हमले के एक बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। वेनेजुएला का आरोप है कि अमेरिका की वेनेजुएला के विशाल प्राकृतिक संसाधनों पर नजर है।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दिया बड़ा झटका, नई आधुनिक मिसाइलें देने से किया साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका देते हुए आधुनिक मिसाइलें देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को कुछ हथियारों को उपकरण आदि की सप्लाई की जाएगी, लेकिन किसी नए हथियार की डिलीवरी नहीं की जाएगी। दरअसल मीडिया में ऐसी रिपोर्ट्स चल रहीं थी कि अमेरिका, पाकिस्तान को आधुनिक एडवांस्ड मीडिया रेंज एअर टू एअर मिसाइल देगा। अब अमेरिका ने ही इससे इनकार कर दिया है।

अमेरिकी दूतावास ने जारी किया बयान : अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि 30 सितंबर को युद्ध विभाग ने कई देशों को, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, हथियारों के उपकरण बेचने का एलान किया था। कुछ मीडिया

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों की डिलीवरी की जाएगी, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही पाकिस्तान की मौजूदा क्षमताओं में इजाफे का भी कोई विचार नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के युद्ध विभाग ने पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों को बेचने की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के एरिजोना के टकसन में स्थित रेथियोन कंपनी पाकिस्तान को आधुनिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगी। इन खबरों को अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की वायु सेना की सैन्य क्षमताओं में इजाफा करने के तौर पर देखा गया, लेकिन अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है।

अमेरिका के करीब आया पाकिस्तान पाकिस्तान को साल 2007 में अमेरिका से 700 एएमआरएएएम मिसाइलें मिल चुकी हैं, जो पाकिस्तान ने अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए खरीदीं थीं। यह उस समय हवा से हवा में मार करने वाली एएमआरएएएम मिसाइलों का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर था। नई डील की बात ऐसे समय उठी, जब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर ने सितंबर में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

अमेरिका की वायुसेना के अनुसार, एएमआरएएएम हवा से हवा में मार करने वाली घातक मिसाइल है। इस मिसाइल की खासियत ये है कि इसमें टारगेट को लॉक किया जा सकता है, मतलब कि यह मिसाइल अपने टारगेट को खत्म करके ही दम लेती है। इसे ह्यूजेस एयरक्राफ्ट कंपनी और रेथियॉन कंपनी मिलकर बनाती हैं। इस मिसाइल की लंबाई 143.9 इंच (366 सेंटीमीटर) और वजन 150.75 किलोग्राम होता है।

संघर्ष विराम समझौते के बाद भी इस्राइली हमले में 30 फलस्तीनियों की मौत, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद इस्राइली हमले जारी हैं। संघर्ष विराम के बाद इस्राइली हमलों में 30 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये दावा किया है। गाजा के अल शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबु सालमिया ने बताया कि बुधवार शाम से हो रहे हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए हैं।

इस्राइल का दावा- हमास आतंकियों को निशाना बनाकर किया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा सिविल डिफेंस ने बताया कि गाजा के पड़ोसी इलाके अल-सब्रा में इस्राइली हमले में एक इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें 40 से ज्यादा लोग उसके मलबे में दब गए। वहीं इस्राइली सेना ने बताया कि हमास के आतंकियों को निशाना बनाकर हमला किया गया था क्योंकि उनसे खतरा था।

ट्रंप का एलान- पहले चरण के शांति समझौते पर सहमत हुए इस्राइल और हमास : बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि इस्राइल और हमास पहले चरण के शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। इससे गाजा में युद्ध समाप्त होगा और बंधकों को रिहा किया जाएगा। इसके बदले में इस्राइली सेना समझौते के तहत गाजा से पीछे हटेगी और इस्राइल की जेलों में बंद 2000 फलस्तीनी कैदियों की रिहा किया जाएगा। इस्राइली मीडिया के अनुसार, समझौते के तहत इस्राइली सेना गाजा क्षेत्र के लगभग 53 प्रतिशत हिस्से पर अपनी तैनाती बनाए रखेगी।

अमेरिकी सेना की निगरानी में लागू होगा संघर्ष विराम समझौता : गुरुवार सुबह राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक बैठक की, जिसमें बताया कि जल्द ही इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौता लागू हो जाएगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इस शांति समझौते से गाजा में हमेशा के लिए शांति आ सकती है। ट्रंप ने कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत सोमवार या मंगलवार को इस्राइल के बंधक रिहा हो सकते हैं। ट्रंप भी पश्चिम एशिया का दौरा कर सकते हैं। अमेरिका लगभग 200 सैनिकों को इस्राइल भेजेगा ताकि गाजा में लागू युद्ध विराम समझौते की निगरानी की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सैनिक सिविल-मिलिट्री समन्वय केंद्र में कार्य करेंगे, जो मानवीय सहायता, लॉजिस्टिक और सुरक्षा बनाने में मदद करेंगे। अमेरिकी सेना के साथ साझेदार देशों, गैर-सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि भी इस पहल में शामिल होंगे।

नेपाल-श्रीलंका के बाद अब मेडागास्कर में युवाओं का विरोध प्रदर्शन; राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग

एंटानानारिवो, एजेंसी। मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो में लगभग 1000 युवा प्रदर्शनकारी 'जेन-जेड मेडागास्कर के नेतृत्व में सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रपति अंद्री राजोएलिना के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने अशांति फैलने पर आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। यह हिंसक विरोध प्रदर्शन देश में कई वर्षों से सबसे बड़ी अस्थिरता के रूप में सामने आया है। पानी और बिजली की कमी के चलते शुरू हुए युवाओं के आंदोलन ने मेडागास्कर की राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल कर रख दी है। प्रदर्शनकारी मास्क पहने सड़कों पर मार्च कर रहे थे और पुलिस ने बख्तरबंद वाहनों के साथ उनका सामना किया। एनोसी और माहामासिना जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर पथराव और जलते टायर लगाकर ब्लॉकेज किया। लोकतंत्र चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस ने गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी। कई शहरों में जारी है रात का कर्फ्यू ये विरोध प्रदर्शन पहले पानी और बिजली कटौती को लेकर शुरू हुए थे, लेकिन बाद में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों के खिलाफ व्यापक हो गए। राजोएलिना ने विरोधों को शांत करने के लिए अपने पूरे कैबिनेट को बर्खास्त किया, लेकिन इससे युवाओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति के साथ वार्ता का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया। आंदोलन के चलते राजधानी एंटानानरीवो और अन्य शहरों में रात का कर्फ्यू लगाया गया है। नेपाल और श्रीलंका के विरोध प्रदर्शनों से प्रेरणा संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं और दर्जनों घायल हुए हैं, जबकि सरकार ने इसे खारिज किया है। प्रदर्शनकारियों ने इंटरनेट के जरिए संगठन किया और नेपाल और श्रीलंका में हालिया विरोध प्रदर्शनों से प्रेरणा ली। गौरतलब है कि मेडागास्कर, पूर्वी अफ्रीका के पास स्थित एक बड़ा द्वीप देश है, जिसकी आबादी करीब 3.1 करोड़ है। वहां गरीबी और सरकारी सेवाओं की असफलता को लेकर जनता में लंबे समय से नाराजगी है, जो अब बड़े विरोध में बदल चुकी है।

अफगानिस्तान के काबुल में पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक, टीटीपी चीफ को मारने का दावा

काबुल, एजेंसी। अफगान मीडिया एएमयू न्यूज के मुताबिक काबुल के कई इलाकों में लोगों ने जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। ये धमाके हवाई हमले की तरह लग रहे थे। दो स्थानीय लोगों ने बताया कि हमला काबुल शहर के अब्दुल हक स्क्वायर के पास हुआ, हालांकि हमले की सही जगह अभी साफ नहीं है। पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कई ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एयरफोर्स ने टीटीपी चीफ मुफ्ती नूर वली मेहसूद को मारने का दावा किया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महसूद पूर्वी काबुल में बने एक ठिकाने में मौजूद था। वह 2018 से टीटीपी की लीडरशिप संभाल रहा है। उस पर अफगानिस्तान में तालिबान के समर्थन से काम करने का आरोप है। पाकिस्तान ने काबुल पर ऐसे वक्त में एयरस्ट्राइक की है जब, तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी 7 दिन के भारत दौरे पर आए हुए हैं। वे यहां पर 7 दिन रहेंगे।

इधर टोलो न्यूज ने कहा है कि उसे महसूद का एक ऑडियो मैसेज मिला है, जिसमें उसने दावा किया है उन पर कोई हमला नहीं हुआ है।

टीटीपी का चौथा अध्यक्ष है मेहसूद : नूर वली महसूद का जन्म 26 जून 1978 को पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान के गुड़गांव इलाके में हुआ था। वह पाकिस्तान के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक है। मुल्ला फजलुल्लाह की मौत के बाद उसने संगठन की कमान संभाली। वह टीटीपी का चौथा अध्यक्ष है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक महसूद 2003 में एक जिहादी गुट में शामिल हुआ था। यह गुट पाकिस्तान के कबायली इलाकों में तालिबान शासन के समय उभरा था। फिर बाद में 2007 में बैतुल्लाह महसूद की

अगुवाई में टीटीपी का हिस्सा बन गया। साल 2013 तक नूर वली महसूद कराची में टीटीपी की गतिविधियों की देखरेख करने लगा था। वह पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों के लिए पैसे जुटाने के मकसद से जबरन वसूली और अपहरण के नेटवर्क का नेतृत्व करता था। उसने कराची में पश्तूनों को आदेश दिया था कि अपने विवाद वे टीटीपी की 'तालिबान अदालतों' में सुलझाएं। जो लोग ऐसा नहीं करते थे, उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता था। ऐसा माना जाता है कि महसूद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच इधर-उधर रहता था और उसके पास पाकिस्तानी नागरिकता है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बना टीटीपी : 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ रखा है। टीटीपी को पिछले बारह साल में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा आतंकवादी खतरा माना जा रहा है।पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके सीमा पार अफगानिस्तान से ट्रेनिंग लेकर पाकिस्तान लौटते और हमला करते हैं। हालांकि तालिबान दावा करता है कि वह टीटीपी का समर्थन नहीं करता।पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, देश में आतंकवादी हमले 2015 के बाद सबसे ज्यादा हो गए हैं, और टीटीपी इसकी मुख्य वजह है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक के इन हमलों की वजह से ही पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। अमेरिकी हमले के जवाब में टीटीपी का गठन 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया। टीटीपी ने कबायली इलाकों में शरिया कानून लागू किया और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान में विदेशी सैनिकों पर हमले किए। टीटीपी ने यूनिवर्सिटीज, धार्मिक नेताओं और नागरिक ठिकानों को भी निशाना बनाया, और यहां तक कि पाकिस्तान के बड़े शहरों में भी हमले किए। पाकिस्तानी सेना और अमेरिकी ड्रोन हमलों के बावजूद, पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका। 2018 में पाकिस्तान ने ञ्ञक्ष पर जीत की घोषणा की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स की मांग, बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की उड़ानों पर रोक लगे

मुंबई

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की उड़ान पर रोक लगाने की मांग फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने भारत सरकार से की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफपीआई) ने केंद्र सरकार से अपील की है कि जब तक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा पूरी तरह से सुनिश्चित न हो जाए, तब तक भारत में उड़ रहे इन सभी विमानों को तुरंत रोका जाए।

इसके पीछे के कारण को बताकर एफपीआई ने कहा कि हाल के महीनों में एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमानों में कई तकनीकी खराबी और आपातकालीन घटनाएं हुई हैं। इन गड़बड़ियों के कारण यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उनका मानना है कि भारत में बोइंग 787 विमानों में बार-बार हो रही तकनीकी खराबी की कोई विस्तृत जांच नहीं हुई है। पायलटों के संगठन ने बोइंग 787 विमानों के संचालन को बेहतर बनाने के लिए तीन अहम सुझाव दिए हैं, खासकर विमान के इलेक्ट्रिकल और इंजन सिस्टम पर ध्यान देने की बात कही गई है। यह चिट्ठी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजे गए एक पिछले पत्र के बाद आई है, जिसमें फेडरेशन ने सभी बोइंग 787 विमानों की पूरी सुरक्षा जांच कराने को कहा था।

बात दें कि 12 जून को अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 दुर्घटना का जिक्र, जिसमें 260 लोगों की जान चली गई थी। पत्र में 4 अक्टूबर को हुई घटना का भी उल्लेख है।

जिसमें एयर इंडिया की अमृतसर से बर्मिंघम जाने वाली फ्लाइट एआई117 के लैंडिंग के दौरान उसका रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) खुल गया था। आरएटी आपात स्थिति में बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम को चालू रखने में मदद करता है।

फेडरेशन ने केंद्रीय मंत्री से अपील की है कि एयर इंडिया के सभी बोइंग-787 विमानों को रोका जाए और खासकर उनके बिजली सिस्टम की अच्छी तरह से जांच की जाए। फेडरेशन ने डीजीसीए से एक विशेष ऑडिट करने को कहा है, क्योंकि उनका मानना है कि दिन-ब-दिन खराबी बढ़ रही है, जो हवाई सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

पर्यावरण मंत्रालय ने दिए सख्त आदेश

एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी और कागज उद्योग कार्बन उत्सर्जन कम करे

नई दिल्ली

भारत के पारंपरिक रूप से कार्बन उत्सर्जन करने वाले उद्योगों पर पर्यावरण मंत्रालय ने सख्त रुख दिखाया है। एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी और कागज जैसे पारंपरिक रूप से कार्बन उत्सर्जन करने वाले भारतीय उद्योगों को ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की तीव्रता को कम करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। पर्यावरण मंत्रालय की ओर इन उद्योगों को 2023-24 की तुलना में 2026-27 तक लक्ष्यों को पूरा करना होगा।

यह सरकार द्वारा कार्बन-भारी उद्योगों के लिए देश का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 8 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के नियमों के अनुसार, 282 औद्योगिक इकाइयों के लिए 2025-26 से प्रति इकाई उत्पाद में जीएचजी उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है। नियमों को कार्बन क्रेडिट ट्रेनिंग स्कीम (सीसीटीएस), 2023 के अनुपालन तंत्र के तहत अधिसूचित किया गया है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र में सीमेंट क्षेत्र में 186 इकाइयाँ को साफ कह दिया गया है। वहीं लुगदी और कागज बनने वाली 53 इकाइयाँ को भी कार्बन उत्सर्जन कम करने को कह दिया गया है। क्लोर-क्षार प्रक्रिया का उपयोग करने वाले संयंत्र 30 इकाइयाँ को भी ये आदेश दिया गया है। वहीं देश में एल्युमीनियम संयंत्र करने वाली 13 इकाइयाँ को भी पर्यावरण मंत्रालय दो टूक कह दिया है। उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्य (2026-27 तक, 2023-24 के स्तर पर सीमेंट क्षेत्र में 3.4 प्रतिशत, एल्युमीनियम 5.8 प्रतिशत, क्लोर-क्षार में 7.5 प्रतिशत और लुगदी एवं कागज कारोबार में 7.1 प्रतिशत तय किया गया। नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाएगा।

मुत्ताकी की प्रेसवार्ता में महिला पत्रकार बैंन.....राहुल गांधी ने पीएम मोदी के नारी शक्ति के दावों खोखला बताया

नई दिल्ली

अफगानिस्तानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली में हुई प्रेसवार्ता में महिला पत्रकारों को बैन करने का मामला तूल पकड़ता दिख रहा है। मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पीएम मोदी से तीखा सवाल किया है। हालांकि भारत सरकार ने दो टूक कहा कि अफगानिस्तान दूतावास में आयोजित प्रेसवार्ता में भारतीय विदेश मंत्रालय का कोई रोल नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा, मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंच से बाहर रखते हैं, तब आप भारत की हर महिला से कह रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने में बहुत कमजोर हैं। हमारे देश में, महिलाओं को हर जगह बराबर का हक है। इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति के आपके नारों की खोखली सच्चाई दिखाती है। वहीं इसके पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी को टैग कर पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी, कृपया यह स्पष्ट करें कि तालिबान के प्रतिनिधि की भारत यात्रा के दौरान उनकी प्रेसवार्ता से महिला पत्रकारों को हटाने को लेकर आपकी क्या स्थिति है?

उन्होंने लिखा, अगर महिलाओं के अधिकारों को लेकर आपकी मान्यता सिर्फ एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सीमित दिखावा नहीं है, तब फिर हमारे देश में, जहां महिलाएं हमारी रीढ़ हैं, हमारी शान हैं, इतनी योग्य महिला पत्रकारों का यह अपमान कैसे होने दिया गया?

वहीं तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने वीडियो संदेश में कहा, मैं यह वीडियो सभी का ध्यान उस भयावह घटना की ओर आकर्षित करने के लिए जारी कर रही हूं, जो दिल्ली में भारतीय धरती पर हुई है। विदेश मंत्री मुत्ताकी के दौरे पर आए तालिबान प्रतिनिधिमंडल ने हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की है। इसके बाद, तालिबान के विदेश मंत्री ने दिल्ली में भारतीय धरती पर एक प्रेसवार्ता की, जहां महिला पत्रकारों को अनुमति नहीं दी गई।

बॉयफ्रेंड की हत्या कराने वाली महामंडलेश्वर गिरफ्तार

अलीगढ़ पुलिस ने पूजा शकुन को राजस्थान से दबोचा, शूटर्स को दी थी सुपारी

अलीगढ़

बॉयफ्रेंड की हत्या के 14 दिन बाद आरोपी महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे शुक्रवार रात राजस्थान के भरतपुर जिले में जयपुर हाईवे से पकड़ा गया।

पूजा बस में सवार होकर जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसे अलीगढ़ कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। दरअसल, अलीगढ़ में 26 सितंबर को टीवीएस बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से पूजा फरार थी।

वह भेष बदल-बदल कर छिपती फिर रही थी। पुलिस ने उस पर 50 हजार का इनाम रखा था। एनबीडब्ल्यू वारंट भी जारी किया था।

खुद को महामंडलेश्वर बताने वाली पूजा निरंजनी अखाड़े से निष्कासित की जा चुकी है। प्रयागराज के श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी ने अन्नपूर्णा भारती को 4 अक्टूबर को निष्कासित कर दिया था। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा था- महिला साध्वी का कृत्य सनातन परंपरा के खिलाफ है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान से मांगा 11 अरब डॉलर का हिसाब

नई दिल्ली भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान से 11 अरब डॉलर का हिसाब मांग लिया है। आईएमएफ से फटकार लगने के बाद पाकिस्तान चीन और अमेरिका सहित दुनिया के अन्य देशों के सामने हाथ फैला रहा है। बता दें, पाकिस्तान अब तक वित्तीय सहायता और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए चीन से संपर्क कर रहा था, जबकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने ऋण और कुछ हथियार व गोला-बारूद हासिल करने में भी मदद की थी। हालांकि, पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति ऐसी हो चुकी है कि वह रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी मामलों के लिए चीन के सामने हाथ फैला रहा है, लेकिन आर्थिक, व्यापारिक और संस्थागत समर्थन के लिए अमेरिका से मदद मांग रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान का कुल विदेशी ऋण 2025 की दूसरी तिमाही में करीब 135 अरब डॉलर तक पहुंच गया। पाकिस्तान के ऊपर पहले से ही चीन का करीब 30 अरब डॉलर का अनुमानित लोन बकाया है। बता दें, चीन ने पाकिस्तान को भारी मात्रा में लोन दिया हुआ है। यह लोन पाकिस्तान में बुनियादी ढांचा निवेश और बंदरगाहों, ऊर्जा और परिवहन परियोजनाओं के लिए राज्य समर्थित वित्तपोषण के लिए दिया गया था। इस बीच एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पिछले दो वित्तीय वर्षों में पाकिस्तान के व्यापार आंकड़ों में 11 अरब डॉलर के हिसाब-किताब पर चिंता जाहिर की है। पाकिस्तान रेवेन्यू ऑटोमेशन लिमिटेड (पीआरएएल) द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में बताए गए आयात के आंकड़े पाकिस्तान सिंगल विंडो के आंकड़ों से 5.1 अरब डॉलर कम थे और वित्त वर्ष 2024-25 में यह अंतर और बढ़कर 5.7 अरब डॉलर हो गया।

अलवर से पकड़ा पाकिस्तानी जासूस

जयपुर राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की आईएसआई के जासूस को गिरफ्तार किया है। आरोपी पाक हैंडलर्स के साथ सोशल मीडिया के जरिए जुड़ा हुआ था। जानकारी के अनुसार हनी ट्रैप और पैसों के लालच में सूचनाएं आईएसआई को भेज रहा था। आरोपी जासूस मंगत सिंह (42) अलवर के गोविंदगढ़ का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार उसने ऑपरेशन सिंदूर में भी अलवर मिलिट्री एरिया की सूचनाएं शेयर की थी। जांच में सामने आया कि वह पिछले दो सालों से सीक्रेट इंफॉर्मेशन बॉर्डर पार भेज रहा था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने कई सूचनाएं सोशल मीडिया के जरिए शेयर की थी। आरोपी मंगत ने ऑपरेशन सिंदूर के पहले और बाद में महिला पाक हैंडलर ईशा (बदला हुआ नाम) से महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा कर रहा था।

भारत की छवि खराब करने और कितना नीचें गिरेगी कांग्रेसः संबित पात्रा

जयराम रमेश के दावों पर किया पलटवार

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की और उन फर्जी खबरों'' के आधार पर मोदी सरकार की रणनीतिक और विदेश नीति पर सवाल उठाए, जिसमें दावा किया गया है कि रूस पाकिस्तान को जेएफ-17 जेट इंजन की आपूर्ति कर रहा है। कुछ दिन पहले, विपक्षी पार्टी के नेता जयराम रमेश ने एक रिपोर्ट का हवाला देकर मोदी सरकार से पूछा था कि भारत का ''कभी सबसे विश्वसनीय रणनीतिक सहयोगी'' रहा रूस, चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के इंजन की आपूर्ति करके पाकिस्तान को सैन्य सहायता क्यों ''प्रदान'' कर रहा है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट कर इस घटनाक्रम को प्रधानमंत्री मोदी की ''व्यक्तिगत कूटनीति'' की विफलता भी बताया था। इस पर पलटवार कर भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि रूस द्वारा यह स्पष्ट करने से कि पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है, कांग्रेस ''बेनकाब'' हो गई है और उन्होंने मीडिया में आई खबरों को ''फर्जी और निराधार'' बताया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता 'रमेश ने यह दर्शाने की कोशिश की कि रूस और पाकिस्तान के बीच एक नई सहमति बनी है, जिसके तहत रूस, चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत इंजन पाकिस्तान को मुहैया कराएगा। पात्रा ने कहा कि रूस ने पाकिस्तान के साथ इसतरह के किसी समझौते से इंकार किया है, लेकिन कुछ ''सूत्रों के हवाले से खबरों'' में कहा गया है कि कुछ ताकतें दिसंबर 2025 में होने वाले एक शिखर सम्मेलन से पहले रूस और भारत के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रही हैं।

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने संयुक्त राष्ट्र में रखा भारत का मजबूत पक्ष

कानून का शासन, न्याय और बहुपक्षवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठवीं कमेटी में भारत का पक्ष प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस समिति की बैठक न्यूयॉर्क में आयोजित हुई, जिसमें उन्होंने कानून का शासन, न्याय और बहुपक्षवाद के महत्व पर भारत की दृष्टि को स्पष्ट रूप से रखा।

सांसद विवेक तन्खा ने कहा, कि कानून का शासन भारत की शासन व्यवस्था की नींव है और यह वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए भी अनिवार्य तत्व है। उन्होंने बताया कि भारत ने हाल ही में न्याय प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए वर्ष 2024 में तीन नए कानून लागू किए हैं, जिनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागर सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जन-केंद्रित और सुलभ बनाना है। इनसे नागरिकों की न्याय तक पहुँच आसान हुई है और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में जवाबदेही व पारदर्शिता बढ़ी है।

इसी के साथ सांसद तन्खा ने यह भी बताया, कि भारत साइबर अपराध, ड्रोन तकनीक और वर्चुअल करेंसी जैसी नई वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपने कानूनों को लगातार अद्यतन कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर विशेष संस्थागत ढांचा तैयार किया जा रहा है और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को भी सशक्त किया जा रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग दोनों मजबूत होंगे। उन्होंने कहा, आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में बहुपक्षवाद ही वैश्विक समस्याओं का सबसे प्रभावी समाधान है। भारत अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से कानून के शासन और न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि अंतरराष्ट्रीय संधियों का समान और निष्पक्ष पालन राष्ट्रों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करता है।

दिल्ली सीएम रेखा ने फ्रंटलाइन वर्कर्स को 1-1 करोड़ की सहायता राशि देकर किया नमन

नई दिल्ली

कोरोना महामारी के सबसे कठिन समय में दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना जनसेवा में डटकर रहना चुना। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता (**Rekha Gupta**) ने आज दिल्ली सचिवालय में उन 11 दिवंगत फ्रंटलाइन वर्कर्स के परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने महामारी के दौरान अपनी जान गंवा दी है। दिल्ली सरकार ने इस मौके पर कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह की मौजूदगी में यह कदम उठाया, जो कोरोना योद्धाओं के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

CM रेखा ने कहा- आज हम उनकी सेवा भावना को नमन करते हैं

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ये योद्धा अपनी ड्यूटी को सर्वोपरि रखते हुए मानवता की रक्षा के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर चुके थे।

उन्होंने कहा कि, आज हम उनकी सेवा भावना को नमन करते हैं। यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक है, बल्कि उन अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है, जब पूरा शहर लॉकडाउन में था।

महामारी के दौरान अथाह समर्पण

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मुलाकात के दौरान इन परिवारों से संवाद किया है। उन्होंने कहा कि, इनकी कहानियां दिल्ली के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय हैं। आज के 11 मामलों में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और सफाईकर्मी शामिल हैं, जिनकी जान ड्यूटी पर लगी। सरकार ने पहले ही घोषणा की थी कि ऐसे सभी मामलों में 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, और यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

1 करोड़ की दी सहायता राशि

दिल्ली सरकार ने इन 11 परिवारों को 1-1 करोड़ रु की सहायता राशि प्रदान की, जो केवल पैसे का लेन-देन नहीं, बल्कि उन बलिदानों का सम्मान है।

सीएम ने चेक सौंपते हुए भावुक हो गईं और कहा, यह राशि आपके खोए हुए सदस्य की यादों को जीवित रखने में मदद करेगी। सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है। पहले की सरकारों में प्रक्रियागत देरी के कारण यह राशि लंबित थी, लेकिन अब दिल्ली सरकार ने इसे सरल बनाकर तुरंत वितरित किया।

यह कदम 10 अक्टूबर 2025 को घोषित योजना का हिस्सा है, जिसमें और भी परिवारों को जल्द लाभ मिलेगा। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने भी परिवारों को भरोसा दिलाया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी जरूरतों में सरकार सहयोग करेगी।

पहले सिंधु जल संधि निलंबित.....अब सावलकट जलविद्युत परियोजना को मंजूरी

पाकिस्तान को लगेगी खूब मिर्ची

श्रीनगर

मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चेनाब नदी पर बनने वाले 1856 मेगावॉट के सावलकट जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है। इस परियोजना को रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है, खासकर तब जब भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वाटर ट्रीटी यानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है।

करीब चार दशक से अटकी यह परियोजना अब फिर से गति पकड़ने जा रही है। इस परियोजना को राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) दो चरणों में बनाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 31,380 करोड़ रुपये है और इसके तहत चेनाब नदी के जल का उपयोग रामबन, रियासी और ऊधमपुर जिलों में होगा।

सावलकट परियोजना में 192.5 मीटर ऊंचा रोलर-कंपैक्टेड ग्रेविटी डैम बनेगा। इसके साथ ही एक अंडरग्राउंड पावरहाउस (भूमिगत विद्युत गृह) स्थापित किया जाएगा, जिसमें मशीन हॉल, टर्बाइन और जेनरेटर जैसी मुख्य इकाइयां होंगी। यह परियोजना सालाना करीब 7,534 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। एक बार शुरू होने के बाद, यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना होगी। इससे न केवल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में भारी बढ़ोतरी होगी, बल्कि भारत की चेनाब नदी के जल को संग्रहित और प्रबंधित करने की क्षमता भी बढ़ेगी। ऐसा करना सिंधु जल समझौते के तहत भारत का अधिकार है, परंतु अब तक तकनीकी और कूटनीतिक कारणों से इसका पूरा उपयोग नहीं हुआ था।

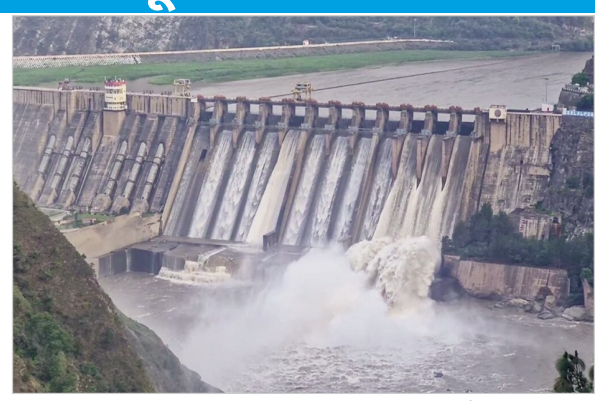

1960 में साइन की गई सिंधु जल संधि के तहत तीन पूर्वी नदियां रावी, ब्यास और सतलुज भारत को दी गई थीं, जबकि तीन पश्चिमी नदियां सिंधु, झेलम और चेनाब पाकिस्तान को आवंटित की गईं।

हालांकि, भारत को इन पश्चिमी नदियों के जल का सीमित उपयोग गैर-उपभोगी कार्यों जैसे रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रोपावर उत्पादन, नौवहन और मत्स्य पालन के लिए करने की अनुमति है। भारत ने अप्रैल 22 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि को निलंबित किया था, इसके बाद से सरकार ने पश्चिमी नदियों के जल का अधिकतम उपयोग करने की दिशा में कदम तेज किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना के लिए कुल 1,401.35 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी, जिसमें से 847.17 हेक्टेयर वन क्षेत्र और 554.18 हेक्टेयर गैर-वन भूमि शामिल है। परियोजना के चलते 13 गांवों के करीब 1,500 परिवारों को विस्थापित किया जाएगा। एनएचपीसी ने इसके लिए विस्तृत पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना तैयार की है, जिसमें प्रभावित परिवारों को आवास, जीविकोपार्जन सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव है। पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक के अनुसार, परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य नहीं है। निकटतम संरक्षित क्षेत्र- किश्तवाड़ हाई-एल्टीट्यूड नेशनल पार्क परियोजना से करीब 62.8 किलोमीटर दूर स्थित है।

परियोजना का इतिहास

सावलकट परियोजना का प्रस्ताव पहली बार 2016 और 2017 में पर्यावरण मंत्रालय के समक्ष रखा गया था, लेकिन वन स्वीकृति और पुनर्वास से जुड़ी जटिलताओं के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। बाद में 3 जनवरी 2021 को जम्मू-कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और एनएसपीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके बाद परियोजना को दोबारा आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

बीजेपी सरकार पर हमलावर अखिलेश का संकल्प

जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को बिकने नहीं दूंगा

लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लखनऊ में स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को बचाने का संकल्प लिया, जिस उनकी सरकार के दौरान उन्होंने जेपी की याद में बना एक खूबसूरत स्मारक बताया।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जेपीएनआईसी की दुर्दशा करने और बर्बाद करने का आरोप लगाकर कहा कि वे इस सेंटर को बिकने नहीं देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश में किसी सोशलिस्ट नेता को समर्पित सबसे बेहतरीन स्मारक और संग्रहालय था। अखिलेश ने जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के नारे को आज भी प्रासंगिक बताकर कहा कि देश को उसी रास्ते की जरूरत है और यह तभी खुशहाल होगा जब समाजवादी मूल्यों पर चलेगा। उन्होंने जेपी से मिली विरासत के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने रायबरेली की घटना का जिक्र कर भाजपा सरकार पर कानून और न्यायालय पर भरोसा न करके हिंसा का रास्ता अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री की सोच ही बुलडोजर जैसी होगी, तब ऐसी घटनाएं होंगी। उन्होंने समाजवादी कार्यकर्ताओं से जमीन पर संघर्ष तेज करने और जेपी के रास्ते पर चलकर किसानों और जनता से इस सरकार को हटाने का आह्वान किया।

उन्होंने बिहार चुनाव के संदर्भ में भाजपा पर सवाल उठाया कि उन्होंने लखनऊ में जेपीएनआईसी की यह हालत कर दी है, तो वे बिहार में किस मुंह से जेपी के नाम पर वोट मांगेंगे। उन्होंने बिहार चुनाव में जाने की बात भी कही। अखिलेश यादव ने महिलाओं को बराबर का अधिकार दिए जाने की बात कही, क्योंकि आधी आबादी के बिना कोई भी समाज खुशहाल नहीं हो सकता।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)